# डॉ0 भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय

## आगरा

(पूर्ववर्त्ती आगरा विश्वविद्यालय, आगरा)

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद द्वारा $b^{++}$ श्रेणी प्रदत्त

# उड़ान

प्रगति आख्या–२०२१

# विश्वविद्यालय प्रशासन

श्रीमती आनंदीबेन पटेल
माननीय कुलाधिपति

प्रो. विनय कुमार पाठक
कुलपति

अजय कृष्ण यादव
परीक्षा नियंत्रक

संजीव कुमार सिंह
कुलसचिव

अरूण कुमार सिंह
वित्त अधिकारी

# डॉ0 भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय

## आगरा

(पूर्ववर्त्ती आगरा विश्वविद्यालय, आगरा)

संपादक मंडल

प्रो. प्रदीप श्रीधर
निदेशक
कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशी हिंदी तथा
भाषाविज्ञान विद्यापीठ

डॉ. अमित कुमार सिंह
हिंदी विभाग

प्रकाशक

संजीव कुमार सिंह
कुलसचिव
डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा

# अनुक्रम


| | | |
|---|---|---|
| 1. | माननीय कुलाधिपति महोदया का संदेश | (i) |
| 2. | आदरणीय मुख्य अतिथि जी का संदेश | (ii) |
| 3. | कुलपति जी का संदेश | (iii) |
| 4. | प्राग्भाष | (iv) |
| 5. | नवीन दायित्ववान प्रति कुलपति एवं अधिष्ठातागण | (v-vi) |
| 6. | विश्वविद्यालय एक दृष्टि में | (vii) |
| 7. | डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय का संक्षिप्त परिचय | (viii-x) |


## केन्द्रीयकृत सुविधाएँ, विभाग और प्रसार गतिविधियाँ


| | | |
|---|---|---|
| 1. | राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 2020 | 1 |
| 2. | राष्ट्रीय सेवा योजना | 1 |
| 3. | राष्ट्रीय कैडेट कोर | 2 |
| 4. | छात्र कल्याण विभाग | 3 |
| 5. | विश्वविद्यालय की झलकियाँ | 4-5 |
| 6. | समाचार पत्रों के दर्पण में विश्वविद्यालय | 6-7 |


## संस्थानों, विभागों एवं अध्ययन केन्द्रों की संक्षिप्त प्रगति व्याख्या


| | | |
|---|---|---|
| 1. | कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशी हिंदी तथा भाषाविज्ञान विद्यापीठ | 8-10 |
| 2. | समाज विज्ञान संस्थान | 10-15 |
| 3. | गृह विज्ञान संस्थान | 15-17 |
| 4. | मौलिक विज्ञान संस्थान (आई.बी.एस.) | 17-22 |
| 5. | दाऊ दयाल व्यावसायिक शिक्षण संस्थान | 22-24 |
| 6. | अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संस्थान (आई.ई.टी.) | 24-27 |
| 7. | सेठ पदम चन्द जैन प्रबंध संस्थान | 28 |
| 8. | पर्यटन एवं होटल प्रबन्धन संस्थान | 28-29 |
| 9. | ललित कला संस्थान | 29-30 |
| 10. | पं. दीन दयाल उपाध्याय ग्राम्य विकास संस्थान | 30-31 |
| 11. | शारीरिक शिक्षा संस्थान | 31-32 |
| 12. | जीवन विज्ञान संस्थान (स्कूल ऑफ लाइफ सांइस) | 32-40 |
| 13. | कम्प्यूटर विज्ञान विभाग | 41-42 |
| 14. | इतिहास एवं संस्कृति विभाग | 42-43 |
| 15. | पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग | 43-44 |
| 16. | विश्वविद्यालय कम्प्यूटर केन्द्र | 44 |

आनंदीबेन पटेल
राज्यपाल, उत्तर प्रदेश

राज भवन
लखनऊ - 226 027

24 मार्च, 2022

## सन्देश

यह अत्यन्त प्रसन्नता की बात है कि डा0 भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा द्वारा 29 मार्च, 2022 को अपना 87वां दीक्षान्त समारोह आयोजित किया जा रहा है। इस अवसर पर एक पत्रिका का प्रकाशन भी किया जायेगा।

शिक्षा मानव के अन्तर्निहित शक्तियों का स्वभाविक और समरस विकास है। यह एक ऐसी प्रक्रिया है, जो अनवरत चलती रहती है। आज का युग केवल ज्ञान का युग नहीं रहा है, अपितु यह ज्ञान को क्रिया–व्यवहार में बदलने का युग है। दीक्षान्त आयोजन में श्रेष्ठ विद्यार्थियों को उपाधि एवं पदक प्रदान कर विश्वविद्यालय अपनी बौद्धिक परम्परा और उत्कृष्टता की संस्कृति को प्रवाहित करता है। इससे विश्वविद्यालय का जहां गौरव बढ़ता है, तो वहीं दीक्षित विद्यार्थी देश एवं समाज सेवा की भावना के साथ आगे बढ़ते हैं।

दीक्षान्त समारोह के आयोजन एवं स्मारिका के प्रकाशन की सफलता के लिये मैं अपनी हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित करती हूँ।

आनंदीबेन

( आनंदीबेन पटेल )

दूरभाष : 0522-2238407 फैक्स : 0522-2238488 ईमेल : hgovup@gov.in वेबसाईट : www.upgovernor.gov.in

H.H. Pujya Swami Chidanand Saraswatiji
*President, Parmarth Niketan*

## संदेश

मुझे यह जानकर अत्यन्त प्रसन्नता की अनुभूति हो रही है कि डॉ0 भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा का 87वाँ दीक्षान्त समारोह दिनांक 29 मार्च, 2022 को आयोजित किया जा रहा है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की वार्षिक उपलब्धि भी प्रकाशित की जा रही है।

दीक्षान्त समारोह प्राचीन समावर्तन संस्कार का ही परिष्कृत रूप है। स्वावलम्बन एवं समाज के लिए उपयोगी सिद्ध होने के लिए छात्र–छात्रों का दीक्षित होना आवश्यक है। इसके दृष्टिगत प्रत्येक विद्यार्थी के लिये दीक्षान्त–संकल्प उसका सर्वोत्तम क्षण होता है।

दीक्षान्त समारोह में उपाधि प्राप्त करने वाले छात्र–छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना करते हुए मैं आशा करता हूँ कि यह समस्त विद्यार्थीगण अपनी उपलब्धियों से प्रदेश व देश के गौरव में वृद्धि करेंगे ।

दीक्षान्त समारोह के सफल आयोजन एवं वार्षिक पत्रिका उपलब्धि के उद्देश्यपरक प्रकाशन हेतु मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

ईश्वर और मानवता की सेवा में,

स्वामी विद्यानन्द

स्वामी विद्यानन्द सरस्वती,
अध्यक्ष परमार्थ निकेतन, ऋषिकेश

Parmarth Niketan Ashram, PO Swargashram, Rishikesh (Himalayas), Uttarakhand-249304 India Phone: +91-135-2440088, +91-135-2440070, Fax: +91-135-2440066, *swamiji@Parmarth.com, www.PujyaSwamiji.org, OPujyaSwamiji, Twitter/@PujyaSwamiji I@ Parmarth.org, Facebook/ParmarthNiketan, O@ ParmarthNiketan ,Youtube/ParmarthNiketan

**प्रोफेसर विनय कुमार पाठक**
**कुलपति**
**Professor Vinay Kumar Pathak**
**Vice-Chancellor**

**डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय**
**(पूर्ववर्ती आगरा विश्वविद्यालय)**
**आगरा– 282 004 (उ.प्र.)**
Dr. BHIMRAO AMBEDKAR UNIVERSITY
(Formerly : Agra University)
AGRA - 282 004 (U.P.) India

## योगक्षेमं वहाम्यहम्

हमारी शिक्षा व्यवस्था 'सर्वभूतहिते रताः' का व्यावहारिक रूप रही है। भारतवर्ष युग–युगांतर से ज्ञान–विज्ञान, धर्म–कर्म और आचार–विचार की पावन धरती रहा है। हमारे आर्ष ग्रन्थों वेदों, पुराणों, उपनिषदों, आरण्यकों में अपार बौद्धिक संपदाओं का भंडार है जो जीवन निर्माण के साथ–साथ जीवन निर्वाह का भी निर्विकल्प मार्ग दर्शाती हैं, परंतु दुर्भाग्य से यह परम्परा आज निर्विकार रूप में अपना अस्तित्व अक्षुण्ण नहीं रख पाई है। समय के प्रभाव ने लाभ और लोभ की प्रवृत्तियों को प्रश्रय दिया है, जिससे कहीं न कहीं हमारे ऋत्विक जीवन लक्ष्यों पर कुठाराघात हुआ है।

विश्व में कुल चार क्रांतियाँ उल्लेखनीय कही जा सकती हैं। पहली क्रांति भाप के इंजन का आविष्कार, दूसरी विद्युत बल्ब का आविष्कार और तीसरी क्रांति औद्योगिक क्रांति मानी जाती है। इन सबसे अलग, सर्वथा नवीन, पुनर्जागरण की प्रसूति करती क्रांति है 'सूचना प्रौद्योगिकी की क्रांति'। 'मैन और मशीन' की महिमा आज सर्वत्र दर्शनीय है। विचारणीय है कि इस सूचना प्रौद्योगिकी की क्रांति का एक बड़ा कर्मठ और कार्यकारी अवयव आज का युवा वर्ग है।

भारत फिर से विश्वगुरु के रूप में प्रतिष्ठित हो, हमारे माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की यह स्वप्नसिद्धि युवा वर्ग के साहस, सोच, संकल्प और समर्पण के सात्विक समन्वय से ही संभव हो सकती है। किसी भी देश के विश्वविद्यालयों से देश का नयी पीढ़ी सीधे तौर पर जुड़ी हुई होती है, जो अपने ध्रुवलक्ष्यों की प्राप्ति के लिए सदैव तत्पर होती है। आपका विश्वविद्यालय भी नयी शिक्षा नीति 2020 के सम्यक् क्रियान्वयन के माध्यम से युवाओं के सर्वांगीण विकास को अपेक्षित विस्तार देने में लगातार प्रयासरत है। मात्र दो माह के मेरे अल्प कार्यकाल में वनव्यू सॉफ्टवेयर, डिजिटल सिगनेचर, डिजिलॉकर, ऑनलाइन शिक्षण जैसे आयाम आपके विश्वविद्यालय को त्वरित विकास की ओर ले जाने के लिए कृतसंकल्पित रहे हैं। छात्रों के शैक्षिक–सामाजिक–नैतिक विकास के साथ–साथ उन्हें रोजगारोन्मुखी शिक्षा देने के लिए भी हम पूर्णतया प्रतिबद्ध हैं।

विश्वविद्यालय के सत्तासीवें दीक्षांत समारोह के इस सुंदर आयोजन पर मैं आप सबको बहुत–बहुत शुभकामनाएँ देता हूँ और आशा करता हूँ कि तेषां नित्याभियुक्तानां योगक्षेमं वहाम्यहम् का भावपूर्ण विश्वास हमारे समस्त जीवन अनुष्ठानों को सफल करेगा।

**प्रो. विनय कुमार पाठक**
कुलपति, डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा

# प्राग्भाष

मानव जीवन मात्र भौतिक विकास और सुख–सुविधाओं को प्राप्त कर लेने भर का नाम नहीं है अपितु ज्ञान–कर्म–धर्म के शाश्वत मर्म को जानकर और इनसे सात्विक समन्वय स्थापित कर, निष्ठा–समर्पण–त्याग की त्रिवेणी से जीवन घट को परिपूर्ण करना इसका परम लक्ष्य है। इन श्रेयस् लक्ष्यों को प्राप्त करने में सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण योगदान हमारे सांस्कृतिक उपादानों और शैक्षणिक संस्थानों का होता है। सन् 1927 में स्थापित यह विश्वविद्यालय अपने ऐतिहासिक आयामों के कारण आज पूरे विश्व में जाना जाता है।

डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय एक विशाल शैक्षिक वटवृक्ष है। विश्वविद्यालय से इस समय कुल 17 राजकीय, 39 अनुदानित, 940 स्ववित्तपोषित महाविद्यालय सम्बद्ध हैं जिनमें पूरे भारत से विद्यार्थी अपेक्षित शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। इस विश्वविद्यालय ने अपने अंक से समय–समय पर अन्य अनेक विश्वविद्यालयों को भी परिपोषित किया है। पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरणसिंह, अटल बिहारी वाजपेई, पूर्व राष्ट्रपति शंकरदयाल शर्मा, राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, साहित्यकार राजेंद्र यादव, अजीत डोभाल, अभिनेता मनोज कुमार आदि जैसे व्यक्तित्व इस विश्वविद्यालय की अप्रतिम और अभिनव शैक्षिक उपलब्धियाँ हैं। विश्वविद्यालय अपने ध्येयवाक्य 'तमसो मा ज्योतिर्गमय' को आत्मसात् कर अपने विद्यार्थियों को ऊर्जस्वित करते हुए देश और समाज की सर्वांगीण उन्नति के पथ पर उत्तरोत्तर आगे बढ़ रहा है।

किसी भी संस्था की सम्यक् प्रगति में उसके कुशल मार्गदर्शक का महत्त्वपूर्ण स्थान होता है। सौभाग्य की बात है कि अपने विश्वविद्यालय को प्रोफ़ेसर विनय कुमार पाठक जी जैसे अनुभवी कुलपति का सानिध्य प्राप्त हुआ है। विभिन्न विश्वविद्यालयों में कुल पांच बार कुलपति पद को सुशोभित करने वाले वर्तमान कुलपति प्रो. विनयकुमार पाठक जी ने अपना कार्यभार 27 जनवरी सन् 2022 को इस विश्वविद्यालय में ग्रहण किया। प्रो. पाठक जी की मनीषा और कर्मठता का प्रमाण विगत दो माह में उनके द्वारा किए गए विभिन्न अकादमिक और प्रशासनिक सुधारों के माध्यम से प्राप्त होता है। बहुत ही कम समय में आपने अपने अथक प्रयासों द्वारा विश्वविद्यालय की शैक्षणिक सम्प्राप्तियों में उल्लेखनीय अभिवृद्धि की है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को रोलमॉडल के रूप में स्वीकार कर विभिन्न रोजगारपरक पाठ्यक्रमों का शुभारंभ और स्नातक स्तर पर सेमेस्टर परीक्षा प्रणाली के आयोजन का मार्ग प्रशस्त किया गया है। किसी भी विश्वविद्यालय की गरिमा उसके स्तरीय शोधकार्य होते हैं। विगत कई वर्षों से लंबित पीएच. डी. की प्रवेश–प्रक्रिया के नियमन के साथ ही राज्य सरकार के आदेशानुसार स्नातक स्तर पर कार्यरत शिक्षकों को भी शोधनिर्देशक बनाया गया है। नवीनतम तकनीकियों से तारतम्य बैठाते हुए विश्वविद्यालय में ऑनलाइन जूम प्लेटफॉर्म का अनवरत उपयोग माननीय कुलपति जी द्वारा विभिन्न आवश्यक बैठकों के आयोजन के लिए किया जा रहा है। नैक परीक्षण के लिए मानक एकेडमिक ऑडिट, केंद्रीय पुस्तकालय का ई–लाइब्रेरी के रूप में विकास, विश्वविद्यालय के चारों परिसरों में केंद्रीय पुस्तकालय की एक–एक शाखा की स्थापना, ट्रेनिंग–प्लेसमेंट सेल, जियोटैगिंग, नवीन स्ववित्तपोषित पाठ्यक्रमों का आरंभ जैसे महत्त्वपूर्ण आयाम आज विश्वविद्यालय की नवीनतम उपलब्धियों के रूप में परिलक्षित किए जा सकते हैं। परीक्षा सुधार की प्रक्रिया में नकलविहीन परीक्षाओं के साथ ही विगत् कई वर्षों की अंकतालिकाओं और उपाधियों का निःशुल्क वितरण और गोपनीय चार्टों के डिजिटलाइजेशन का कार्य लगातार प्रगति पर है।

विश्वविद्यालय ने तीन माह पहले ही अपना छियासीवां दीक्षांत समारोह बड़ी ही धूमधाम से मनाया था। स्वतंत्रता के अमृत महोत्सव की पावन उजासमयी वेला में आज हमारा विश्वविद्यालय अपने सत्तासीवें दीक्षांत समारोह की उल्लासमयी साक्षी देने के लिए विश्वासमयी मुद्रा में आप सभी के लिए स्वागतबद्ध है।

विश्वविद्यालय के आरंभ काल से लेकर आज तक की समस्त संकल्पित सम्प्राप्तियों की स्पंदन–चेतनाओं के समेकन की संस्तुति करते हुए सत्तासीवें दीक्षांत समारोह की आप सबको अशेष मंगलकामनाएँ, कविवर प्रसाद जी की इन पंक्तियों के साथ–

अमर्त्य वीर पुत्र हो, दृढ़–प्रतिज्ञ सोच लो,
प्रशस्त पुण्य पंथ है, बढ़े चलो,बढ़े चलो।

**प्रो. प्रदीप श्रीधर**

## नवीन दायित्ववान
### प्रति कुलपति

**Name:** Prof. Ajay Taneja

**Present Position:** Pro Vice-Chancellor, Professor and Head, Department of Chemistry, Dean Science, Dr. B.R Ambedkar University, Agra

**Experience:** More than 28 years in teaching and 31 years in Research.

**Area of Research Supervision :**

Environmental chemistry, Air Pollution, Indoor air Pollution

Ph.D.-17, M.Phil- 29, LEAP [LEADERSHIP FOR ACADEMICIANS PROGRAMME] FELLOW

**Publication:** Books: 07, Research Papers: 140 (Scopus h index of 28, more than 2900citations)

**Other Publications:** Chapters-9, Research Project Reports - 06, Academic Abroad Visits: 15

**Conference Workshops Attended:**

70+, Presented the work: 40+, Invited Talks 38+, Organized: More than 16.

**Other if any:** 1). Projects: 06 Completed, (UGC, DST, CSIR) 03 Ongoing (State Govt., DST)

## नवीन दायित्ववान
### अधिष्ठाता अकादमिक

**Name:** Prof. Sanjeev Kumar

**Present Position:** Dean (Academic) and Dy. Director, IQAC,
Professor & Head, Department of Mathematics, Dr. Bhimrao Ambedkar University, Agra

**Qualifications:** Ph.D. (1996) Computational Fluid Mechanics (Agra University, Agra)
M. Phil. (1992) Pre-Ph.D. (Agra University, Agra)
M.Sc. (1991) in Mathematics (Agra University, Agra)

**Teaching and Research Experience:**

i) Administrative: 20 + Years in different Category

ii) Teaching: 28+ Years teaching experience to teach different UG & PG classes

ii) Research: 20+ Years exp. in the area of Mathematical Modeling and Fuzzy Modeling.

**Research Supervision:**

Ph.D. (Mathematics) 11 (Awarded) +5 (working), M. Phil.(Mathematics): 60 (Awarded), M.Sc. (Math & Computer Sc.): 25 (Awarded), M.Tech. Computer Science: 01 (Awarded)

**Fellowship/ Project:** 05

**Research Projects:** 02

**Papers Published:** 102 (Int. 50 + National 40 + Proc. 08 + Book Chapter 02), Books: 07

**Awards:** 1. Eminent Professor Award, FIRMS-2020, 2. University Best Teacher Award -2018
3. Vidyshree Award-2018, 4. Best Personity of the year Award-2015

**School/ Conference/ Workshop Organized:**

Conference : 02, FDP : 01, Webinar : 01, Workshop : 03

## नवीन दायित्ववान
### अधिष्ठाता संकाय

| | |
|---|---|
| Name: | Pro. Umesh Chand Sharma (M. Lib.I.Sc., Ph.D.). |
| Present Position: | Professor and Head,<br>Department of Library & Information Science,<br>Head Dean Faculty, Faculty Of Arts,<br>Professor In-charge Library,<br>Dr. B.R Ambedkar University, Agra |
| Experience: | More than 33 years. |
| Area of Research: | Cost Benefit Analysis Study of Central University Libraries in India. |
| Subject Specializations: | Library Classification, Cataloguing, Management & Knowledge Organizations & Research Methodology etc. |
| Supervision: | Ph.D.-31, M.Phil- 03, M. Lib. I. Sc. Dissertations more than 600 |
| Publication: | Articles 06, Forward - 01, Editorial - 02 |
| Other Publications: | Chapters-05, Research Project Reports - 06, Academic Visits: 06<br>Invited Talks in Seminars & Conferences (28), UGC Refreshers Courses (32), Lesson Writing for Universities: 05. |
| Other if any: | BOS/RDC : Gwalior, Jhansi, Faizabad, Meerut, Chitrakoot, Bhopal, Shrinagar, Garhwal, Jabalpur etc. |

## नवीन दायित्ववान
### अधिष्ठाता एल्यूमनाई (पूर्व छात्र)

| | | |
|---|---|---|
| Qualification | : | NET,Ph.D., MTA, FDP- IIM Indore |
| Research Area | : | Tourism Marketing, Cultural Tourism , Religious Tourism , Pleasure Economy. |
| Experience | : | 23 Years |
| Publications | : | Books-15, Research Papers- More than 30, Journal-01 (Chief Editor), Associate Editor -02 (American Journals), Study materials- IGNOU, UOU, UPRTOU, SIKKIM Board and UP Board<br>Session Chaired ( 2017-20)-22, Conference Organised-06<br>Conference Attended-27, Recent Invited talks Delivered in 2020-21-07 |

**Awards/Honour/ Fellowships :**

Rudra Ratna Award-2021, APJ Abdul Kalam Excellent Teachers Award-2021, Eminent Professor Award-2020, 'Rashtriya Saraswat Samman-2020', Special Honour by Sri Faggan Singh Kulaste,Minister Government of India in India Gandhi National Tribal University, Amarkantak in 2019, Agra Ratna Samman' Chirag Foundation, Agra ,2019, 'Shikshak Gaurav Samman' by Koraon Mahotsava Organising Committee on 3rd Jan 2019, Rashtriya Swadeshi Samman by Swadeshi Jagaran Manch (SJM) on 21st Dec2018, UP Icon ( Education) -2018 by Friends Society , Uttar Pradesh,

# विश्वविद्यालय एक दृष्टि में

## विश्वविद्यालय की स्थापना :

एक जुलाई, 1927 ई. को आगरा विश्वविद्यालय की स्थापना हुई। 1996 ई. में इसका नामकरण डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा हुआ। इसके विभिन्न संकायों की पहली बैठक इस प्रकार हुई :

- कार्यपरिषद 15.10.1927
- संकाय (फैकल्टी) 17.10.1927
- विद्या परिषद 19.10.1927
- शैक्षिक (एकेडमिक) परिषद 21.10.1927
- सीनेट 30.10.1927

## आवासीय परिसर :

आवासीय परिसर पालीवाल पार्क, खंदारी, छलेसर एवं सिविल लाइंस में हैं, जहाँ शिक्षण कार्य होता है। प्रशासनिक खंड पालीवाल पार्क में है। छात्रावास सुल्तानगंज और खंदारी परिसर में है।

## संबद्ध कॉलेज :

विश्वविद्यालय मूलतः संबद्ध कॉलेजों के लिए था। समय की आवश्यकतानुसार इसमें आवासीय परिसर विकसित हुआ। संप्रति 15 संकाय में 64 पाठ्यक्रम चल रहे हैं।

## कॉलेजों की संख्या :

- शासकीय कॉलेज — 17
- सहायता प्राप्त कॉलेज — 39
- स्ववित्तपोषित कॉलेज — 940
- मेडिकल कॉलेज (कांस्ट्यूटेन्ट घटक) — 01
- मेडिकल कॉलेज (स्ववित्त पोषित) — 03
- आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज (स्ववित्त पोषित) — 12
- यूनानी मेडिकल कॉलेज (स्ववित्त पोषित) — 02
- नर्सिंग पैरामैडिकल कॉलेज (स्ववित्त पोषित) — 06
- डेंटल कॉलेज (स्ववित्त पोषित) — 02
- होम्योपैथी कॉलेज (शासकीय) — 07
- होम्योपैथी कॉलेज (स्ववित्त पोषित) — 03

## छात्र संख्या :

- आवासीय परिसर — 3000 (लगभग)
- सम्बद्ध कॉलेज — 5 लाख (लगभग)

## अधिकार क्षेत्र :

विश्वविद्यालय का अधिकार क्षेत्र आगरा–अलीगढ़ मंडल के आठ जिलों आगरा, मथुरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, अलीगढ़, हाथरस, कासगंज एवं एटा है। उत्तर प्रदेश के सभी होम्योपैथिक कालेज इससे संबद्ध हैं। देश का प्रमुख एवं प्राचीन एस. एन. मेडिकल कालेज भी आरंभ से संबद्ध है।

## प्रथम कुलाधिपति :

महामहिम सर विलियम सिनक्लेयर मैरिस

## प्रथम कुलपति :

रेवरेंड कैनन ए. डब्ल्यू. डेविस

# डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय का संक्षिप्त परिचय

## विश्वविद्यालय का उद्देश्य, ध्येय एवं सील :

## (University Objectives, Motto and Seal )

विश्वविद्यालय का उद्देश्य धर्म, जाति, रंग, नस्ल, लिंग भेद के बिना, पारदर्शिता के साथ सभी को समान रूप से शिक्षा का अवसर प्रदान करना है। विश्वविद्यालय और उसकी उपाधियाँ सर्वसमाज के लिए हैं। 'The Dr. Bhimrao Ambedkar University, Agra is open to all classes and creed, irrespective of, and sex differentiation and no test of any nature what-so ever of religion belief or profession can be imposed for entitlement of any certificate, diploma or degree.'

## ध्येय वाक्य :

विश्वविद्यालय का ध्येय वाक्य
**"तमसो मा ज्योतिर्गमय"** अर्थात् 'अंधकार से प्रकाश की ओर चलो'

यह विश्वविद्यालय की सील पर अंकित है।

The motto of the university is light and learning; `Tamso Ma Jyotirgamaya' (तमसो मा ज्योतिर्गमय) meaning 'lead me from darkness to light'

## ऐतिहासिक पृष्ठभूमि :

आगरा विश्वविद्यालय की स्थापना विश्वप्रसिद्ध स्मारक "ताजमहल" के शहर आगरा में हुई थी, जिसे आज हम डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय के नाम से जानते हैं। यह विश्व का ऐसा शहर है, जिसके पास तीन विश्वदाय स्मारक 'WORLD HERITAGE MONUMENTS' हैं।

यमुना नदी पर बसे आगरा को प्राचीन काल में 'अग्रवन' के नाम से भी जाना जाता था। सिकंदर ने 1504 ई. में इसे अपनी राजधानी बनाया। लोदी के बाद मुगल आये। उन्होंने दिल्ली की तुलना में इसे अपनी राजधानी बना भारत के विस्तृत भू–भाग पर शासन किया।

ब्रिटिश आधिपत्य के बाद आगरा सीधे अंग्रेजों के नियंत्रण में आ गया। 1833 ई. में आगरा की महत्वपूर्ण स्थिति के कारण इसे 'प्रेसिडेंसी' का दर्जा मिला।

प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में आगरा ने बढ़–चढ़ कर भाग लिया था। बाद में क्रांतिकारियों के कारण आगरा का काफी नाम रहा। यहाँ 1823, 1852 एवं 1885 ई. में क्रमशः आगरा कॉलेज, सेंट जोन्स कॉलेज एवं आर. बी. एस. कॉलेज अस्तित्व में आए। आगरा कॉलेज, कलकत्ता विश्वविद्यालय से संबद्ध रहा। 1837 ई. में जब इलाहाबाद विश्वविद्यालय अस्तित्व में आया तो आगरा कॉलेज एवं सेंट जोंस कॉलेज वहां से संबद्ध हो गए।

आगरा विश्वविद्यालय अपने प्रथम कुलपति रेवरेंड ए. डब्ल्यू डेविस के साथ, मुंशी नारायण प्रसाद अस्थाना, डॉ. एल. पी. माथुर, प्रो. गोकुल चंद्रा, लाला दीवान चंद्र, रायबहादुर आनंद स्वरूप, डॉ ब्रजेंद्र स्वरूप इत्यादि के सद्प्रयासों का प्रतिफल था, जिन्होंने विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए सरकार को तैयार किया। उस समय एक आयोग (Sadher Commission) ने पूर्व में गोरखपुर से लेकर पश्चिम में इंदौर तक फैले संबद्ध कॉलेजों के लिए एक विश्वविद्यालय स्थापना की संस्तुति की। 1921 ई. में इसके लिए प्रांतीय विधायिका में एक बिल प्रस्तुत हुआ जो 1926 ई. में पास हुआ। 11.09.1926 एवं 20.10.1926 को इस पर क्रमशः गवर्नर एवं गवर्नर जनरल की मुहर लगी। इस तरह 01.07.1927 को आगरा विश्वविद्यालय का जन्म हुआ। आई. ई. एस. अधिकारी के. पी. किचलू इसके विशेष कार्य अधिकारी 01.04.1927 को बने, उनसे 01.11.1927 को श्री टिनकर ने चार्ज लिया। कुलसचिव पं. श्याम सुंदर शर्मा ने 14 जून से 30 जुलाई 1928 तक कुलपति कार्यालय का कार्यभार भी सम्भाला। महामहिम सर विलियम सिनक्लेयर मैरिस इसके प्रथम कुलाधिपति थे। 1996 ई. में विश्वविद्यालय का नाम डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा हुआ। अब तक इसके 86 दीक्षांत समारोह हो चुके हैं।

## विश्वविद्यालय की स्थिति :

प्रारंभ में विश्वविद्यालय की सीमा संयुक्त प्रांत आगरा एवं अवध, मध्य भारत, राजपूताना के 14 संबद्ध कॉलेजों तक थी, जिसमें 1472 संयुक्त प्रांत के छात्रों को मिलाकर कुल छात्र संख्या 2530 थी। प्रथम वर्ष में पंजीकृत स्नातक छात्र मात्र 85 थे। आज विश्वविद्यालय की सीमा उत्तर प्रदेश के आगरा–अलीगढ़ मंडल तक है। यमुना, गंगा, चम्बल जैसी प्रमुख नदियाँ इसमें बहती हैं। देश के तीन प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान एवं हरियाणा इससे सटे हैं। प्रदेश के 10 होम्योपैथी कॉलेजों के अतिरिक्त 17 राजकीय कॉलेज, 39 एडेड कॉलेज, 940 स्ववित्त पोषित कॉलेज, 20 मेडिकल–डेंटल कॉलेज इससे संबद्ध हैं। 15 संकायों में, 64 अकादमिक पाठ्यक्रम संचालित हैं। वर्तमान में छात्रों की संख्या लगभग पाँच लाख है।

आरंभ में विश्वविद्यालय में कला, विज्ञान, वाणिज्य, विधि संकाय थे। बाद में इसमें मेडीसिन (1936), कृषि (1938), शिक्षा (1938), गृहविज्ञान (1980), होम्योपैथी (1981) आए और उसके बाद फाईन आर्ट, इंजीनियरिंग, मैनेजमेंट, लाइफ साइंस, आयुर्वेद एवं यूनानी शामिल हुए।

## विश्वविद्यालय भवन :

विश्वविद्यालय ने भरतपुर हाउस स्थित एक किराए के भवन में कार्यालय खोलकर कार्य शुरू किया था। 1933 ई. में इसे पालीवाल पार्क (तत्कालीन हैविट पार्क) के एक हिस्से के भवन में स्थान मिला, जिसमें प्रथम तल पर डेविस हाल (जहाँ आजकल शोध विभाग है), काउंसिल हाल और आधार तल पर कार्यालय थे। प्रशासनिक खंड के लिए दीक्षांत समारोह के अवसर पर तत्कालीन कुलाधिपति महामहिम सर माल्कम हैली ने नवम्बर 1932 ई. में शिलान्यास किया था। बाद में परीक्षा विभाग, गोपनीय विभाग, सीनेट हाल, विश्वविद्यालय कर्मियों के आवास इस परिसर में बने।

पालीवाल पार्क में आवासीय पक्ष के रूप में समाजविज्ञान संस्थान एवं कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशी हिंदी तथा भाषाविज्ञान विद्यापीठ को 1953 में स्थान मिला। तत्कालीन मुख्यमंत्री डॉ. संपूर्णानंद ने 1956 में समाजविज्ञान संस्थान और तत्कालीन कुलाधिपति डॉ. के. एम. मुंशी ने 1957 में विद्यापीठ के भवन का उद्घाटन किया। केंद्रीय पुस्तकालय भी उसी दौरान बनकर तैयार हुआ। गृह विज्ञान संस्थान के लिए खंदारी में विश्वविद्यालय ने चार एकड का भूखंड क्रय कर ग्वालियर की राजमाता

विजयाराजे सिंधिया से 3.12.1967 को शिलान्यास कराया। भवन का उद्घाटन तत्कालीन कुलाधिपति माननीय डॉ. बी. गोपाल रेड्डी ने 07.07.1968 को किया। बाद में गृह विज्ञान संस्थान से सटे भूखंडों को लेकर 'खंदारी परिसर' विकसित हुआ। इसमें इंस्टीट्यूट ऑफ बेसिक साइंस (1990), सेठ पदमचंद जैन इंस्टीट्यूट ऑफ मैंनेजमेंट, कामर्स एंड इकोनोमिक्स (1993), अतिथिगृह, दाऊ दयाल व्यावसायिक संस्थान, पर्यटन एवं होटल प्रबंधन संस्थान, यूनिवर्सिटी मॉडल स्कूल, इंजीनियरिंग संस्थान, फार्मेसी विभाग, आंबेडकर भवन, कम्युनिटी रेडियो, खंदारी परिसर में स्थापित हुए। सिविल लाइंस स्थित खंडेलवाल कोठी में ललित कला संस्थान तथा छलेसर में शारीरिक शिक्षा विभाग की स्थापना की गयी। माननीय कुलाधिपति श्री राम नाईक ने 8.7.2016 को पं. दीन दयाल उपाध्याय संस्थान के नवीन भवन का छलेसर में शिलान्यास किया। इस प्रकार संप्रति विश्वविद्यालय चार परिसर क्रमशः पालीवाल पार्क, खंदारी, सिविल लाइंस एवं छलेसर तक विस्तृत है।

## केंद्रीय पुस्तकालय :

विश्वविद्यालय की स्थापना से ही इसमें केंद्रीय पुस्तकालय स्थित रहा है। प्रारंभिक दौर में इसका संचालन कुलसचिव कार्यालय से होता था। बाद में इसे स्थापत्य भवन के रूप में पालीवाल पार्क में स्थापित किया गया। चार मंजिला भवन खुली पुस्तक की तरह है। जिस पर ग्रीक संस्कृति का प्रभाव रखने वाला बाइजांटिन गुम्बद (Byzantine dome) है। यह सात लाख की लागत से 01.03.1956 को बनकर तैयार हुआ। इसमें 1,58,000 पुस्तकें, 200 जर्नल तथा लब्ध प्रतिष्ठित विभूतियों सर्वश्री सी. वाई. महाजन, डॉ. ए. एल. श्रीवास्तव, डॉ. एस. एन. मेहरोत्रा, पं. बनारसी दास चतुर्वेदी और श्री सुंदर लाल रूपरानी इत्यादि के संग्रह हैं। चार परिसरों में केंद्रीय पुस्तकालय की चार शाखायें हैं–

1. पालीवाल पार्क परिसर, 2. खंदारी परिसर, 3. संस्कृति भवन, 4. छलेसर परिसर।

## प्रेक्षाग्रह, सभागार सम्मेलन हाल :

1. 1350 के बैठने की क्षमता वाला–छत्रपति शिवाजी मण्डपम्।
2. 500 के बैठने की क्षमता वाला– जे. पी. सभागार, खंदारी।
3. 200 के बैठने की क्षमता वाला– जुबली हाल, पालीवाल पार्क।
4. 300 के बैठने की क्षमता वाला–संस्कृति भवन का सभा कक्ष।
5. लघु बैठकों के लिए बृहस्पति भवन, पालीवाल पार्क।
6. लघु बैठकों के लिए– अतिथि गृह सभा कक्ष, खंदारी।

## विश्वविद्यालय माडल स्कूल :

नर्सरी से कक्षा 12 तक सी.बी.एस.ई. से सम्बद्ध माडल स्कूल खंदारी परिसर में 20 वर्ष से संचालित है।

## आवास सुविधाएं :

शिक्षकों, शिक्षणेत्तर कर्मियों के लिए पालीवाल पार्क, गोपालकुंज, खंदारी, सुल्तानगंज परिसर में आवासीय सुविधाएं हैं। विद्यार्थियों के लिए छात्रावास की सुविधाएं भी गृहविज्ञान संस्थान खंदारी, सिविल लाइंस, बाग फरजाना एवं सुल्तानगंज परिसर में हैं।

## केंद्रीय कम्प्यूटर सुविधा :

खंदारी परिसर में केंद्रीय कम्प्यूटर सुविधा है।

## वाई–फाई, सी सी टी वी :

विश्वविद्यालय वाई–फाई व सी सी टी वी युक्त है।

## सामुदायिक रेडियो 'आगरा की आवाज' :

सूचना प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार का प्रकल्प 90.4 MHz आगरा की आवाज 30.10.2010 से खंदारी परिसर में संचालित है। प्रदेश के राजकीय विश्वविद्यालयों में स्थापित यह एकमात्र रेडियो स्टेशन है, जो जनसंचार पत्रकारिता विभाग का एक अंग है।

# राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 2020

डॉ भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के सफलतापूर्वक क्रियान्वयन के लिए प्रतिबद्ध है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के आधार पर विश्वविद्यालय से सम्बद्ध राजकीय, अनुदानित और स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों में बीए, बीएससी और बीकॉम में प्रवेश लिए जा चुके हैं, जिनकी प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं अप्रैल 2022 के प्रथम सप्ताह में प्रस्तावित हैं ।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति की रीति नीति को भलीभांति को स्पष्ट करने के लिए माननीय कुलपति प्रोफेसर विनय कुमार पाठक जी के निर्देश पर विश्वविद्यालय से सम्बद्ध आठों जिलों में दो–दो समन्वयक नियुक्त किए गए हैं , जो अपने परिक्षेत्र में आने वाले महाविद्यालयों के प्राचार्यो की बैठक कर यह सुनिश्चित करेंगे कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति का क्रियान्वयन भली–भांति हो सके और इस संबंध में यदि किसी महाविद्यालय की किसी भी प्रकार की जिज्ञासा है तो उसका समाधान भी प्रस्तुत करेंगे ।

**LIST OF COORDINATORS**

**AGRA-**Prof. S.P. Singh, Dr. Poonam Singh, **MATHURA-**Prof. Lalit Mohan Sharma, Dr. Surendra Singh, **FIROZABAD-**Prof. V.K. Singh, Dr. Nirmala Yadav, **MAINPURI-**Dr. Shikha Saxena, Dr. Pushpa Kashyap, **ETAH-**Prof. BBS Parihar, Dr. K.P. Singh, **ALIGARH-**Prof. Rajkumar Verma, Arun Kumar Gupta, **HATHRAS-**Dr. Mahaveer Singh, Dr. Shaifali Suman, **KASGANJ-**Dr. Renu Sharma, Dr. Ashok Kumar Rastogi

# राष्ट्रीय सेवा योजना

राष्ट्रीय सेवा योजना भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा सामाजिक एवं राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में चलाया जाने वाला एक बहुउद्देश्यीय कार्यक्रम है। यह योजना स्वयंसेवकों के व्यक्तित्व का बहुआयामी विकास करती है। सत्र 2021–22 में राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत वृक्षारोपण, रक्तदान शिविर, स्वच्छता पखवारा, मतदाता जागरूकता, स्वास्थ्य जागरूकता, फिटइंडिया कार्यक्रम, कोविड–19 की वैक्सीन के प्रति जागरूकता एवं वैक्सीन अभियान में सहायता आदि कार्यों में स्वयं सेवकों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। 1 अक्टूबर 2021 से 31 अक्टूबर 2021 तक पॉलिथीन उन्मूलन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सिंगल यूज प्लास्टिक को एकत्रित कर निस्तारण किया गया । इसके साथ ही विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में विश्वविद्यालय से संबंधित सभी 8 जिलों के प्रत्येक महाविद्यालय में स्वच्छता पखवारा के तहत 04 दिवसीय स्वच्छता अभियान चलाया गया, जिसमें प्रत्येक दिन भिन्न भिन्न गतिविधियां कराई गयीं।

21–27 फरवरी 2022 में कर्नाटक के धारवाड़ में आयोजित राष्ट्रीय एकीकरण शिविर में विश्वविद्यालय के स्वयंसेवकों ने प्रतिनिधित्व किया। पूर्व गणतंत्र दिवस परेड शिविर एवं गणतंत्र दिवस शिविर में सहभागिता। राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक विशाल दुबे ने दिल्ली में आयोजित 31 दिवसीय गणतंत्र दिवस परेड शिविर 2022 में विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करते हुए गणतंत्र दिवस के अवसर पर राजपथ परेड में शामिल होकर महामहिम राष्ट्रपति महोदय को सलामी दी। भारत सरकार युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा 12 से 16 जनवरी 2022 तक पुदुचेरी में आयोजित राष्ट्रीय युवा उत्सव में कुल 4 स्वयंसेवकों ने वर्चुअल रूप से प्रतिभागिता कर विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना का प्रतिनिधित्व किया।

26 जनवरी 2022 गणतंत्र दिवस में प्रतिभाग करने वाले राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों का 200 सदस्यीय दल 27 जनवरी 2022 को ताजमहल भ्रमण हेतु आगरा आया। ताजमहल के पूर्वी गेट पर विश्वविद्यालय के स्वयंसेवकों द्वारा भव्य स्वागत किया गया और देश के विभिन्न हिस्सों से आए स्वयंसेवकों को अपनी संस्कृति और सभ्यता से परिचित कराया गया।

# राष्ट्रीय कैडेट कोर

विश्वविद्यालय से संबद्ध अनेक महाविद्यालयों में एन.सी.सी. की बटालियन सफलतापूर्वक कार्य कर रही हैं। भारत में एन सी सी 1948 से प्रारंभ हुई और आगरा कॉलेज शिक्षा का वह ऐतिहासिक मंदिर है जहां उसी वर्ष अर्थात 1948 से ही एन सी सी आर्मी विंग की शिक्षा प्रारंभ हो गई, पहले छात्रों के लिए और तत्पश्चात 1949 में छात्राओं के लिए आर्मी विंग तथा 1950 में एयर विंग प्रारंभ हो गई थी।

वर्ष 2020–2021 आगरा कॉलेज के लिए गौरवमयी एवं ऐतिहासिक वर्ष रहा जब उत्तर प्रदेश निदेशालय से लगभग 10 वर्षों पश्चात आगरा कॉलेज की कैडेट रिचा पाराशर भारतीय थल सेना में अधिकारी बनीं तथा कंपनी कमांडर लेफ्टिनेंट रीता निगम को एन सी सी में उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए राज्यपाल श्रीमती आनंदी बेन पटेल द्वारा राजभवन में राज्यपाल प्रशंसा पत्र देकर तथा उत्तर प्रदेश के अतिरिक्त महानिदेशक मेजर जनरल राकेश राणा द्वारा एक्सीलेंस मेडल से सम्मानित किया गया। राजभवन में दिए गए 6 स्वर्ण पदकों में से 5 स्वर्ण पदक आगरा के कैडेट्स ने प्राप्त किए।

श्रीमती बी.डी. जैन गर्ल्स पी.जी. कॉलेज की एन.सी.सी. इकाई से सीनियर अण्डर ऑफीसर कैडट सोनिया शर्मा को ATC-IX-2021-22 धीमश्री आगरा कैम्प के दौरान कैम्प सीनियर पद के दायित्व सम्भालने पर अच्छे प्रदर्शन करने पर 1 यू.पी. गर्ल्स बटालियन कैम्प के सी ओ (कर्नल रोहित खन्ना) द्वारा मैडल देकर सम्मानित किया तथा सार्जेंट कैडट लुबना खान को ATC-X-2021-22 धीमश्री आगरा कैम्प के दौरान कम्पनी कमाण्डर का दायित्व सम्भालने पर अच्छे प्रदर्शन हेतु पदक देकर सम्मानित किया तथा ड्रिल प्रतियोगिता में अच्छे प्रदर्शन पर ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। महाविद्यालय की एन.सी.सी. प्रभारी लेफ्टिनेंट (डॉ.) नीलम कान्त के निर्देशन में वर्ष 2021–22 में एनसीसी इकाई के कैडेटों द्वारा सामाजिक गतिविधियों में अपना सम्पूर्ण योगदान देने पर कन्नौज के सांसद द्वारा महाविद्यालय के 17 कैडटों व प्रभारी लेफ्टिनेंट डॉ. नीलम कान्त को उत्कृष्ट सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया गया।

फ्लाइट कैडेट शुभम

फ्लाइट कैडेट निधि गौतम

सेंट जोन्स कॉलेज, आगरा में भी एन.सी.सी. बटालियन पूरी तन्मयता के साथ कार्यरत है। सेंट जोन्स कॉलेज की फ्लाइट कैडेट निधि गौतम ने राजपथ परेड 2022 तथा फ्लाइट कैडेट शुभम ने प्रधानमंत्री की रैली में गार्ड ऑफ ऑनर में भाग लिया।

# छात्र कल्याण विभाग

विश्वविद्यालय दीक्षांत समारोह में दी जाने वाली चल वैजयंती ट्रॉफी के लिए साहित्योत्सव 22 में पं.गंगाधर शास्त्री स्मृति हिंदी वाद विवाद प्रतियोगिता, पन्नालाल स्मृति अंग्रेजी वाद–विवाद प्रतियोगिता, गांधी विचार गोष्ठी एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन जे. पी. सभागार और बेसिक साइंस इंस्टीट्यूट के सभागार में किया गया।

उदघाटन सत्र की मुख्य अतिथि के रूप में प्रोफेसर बीना शर्मा, निदेशक केंद्रीय हिंदी संस्थान आगरा उपस्थित थीं। उन्होंने साहित्योत्सव को विद्यार्थियों के लिए ऊर्जा का संवाहक और प्रेरणा का स्रोत बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रति कुलपति प्रो. अजय तनेजा जी ने की। अधिष्ठाता, छात्र कल्याण प्रो. मो. अरशद, डीन, अकादमिक प्रो.संजीव कुमार जी के साथ सहायक अधिष्ठाता, छात्र कल्याण, डॉ.रनवीर सिंह, प्रो. रजनीश अग्निहोत्री, डॉ. सलीम जावेद, इंजीनियर शैलेंद्र, डीन रिसर्च प्रो. विनीता सिंह, प्रो. मीनाक्षी श्रीवास्तव व प्रो. दीपमाला श्रीवास्तव उपस्थित थे।

प्रतियोगिता के परिणाम इस प्रकार रहे–

**हिंदी वाद विवाद प्रतियोगिता** में प्रथम श्रेया गुप्ता सेंट जॉन्स कॉलेज आगरा। द्वितीय विशाल दुबे सेंट जॉन्स कॉलेज आगरा। तृतीय शिप्रा बैकुंठी देवी कॉलेज आगरा। सेंट जॉन्स कॉलेज, आगरा की टीम विजेता रही। **अंग्रेजी वाद विवाद प्रतियोगिता में** प्रथम अयान हुसैन सेंट जॉन्स कॉलेज आगरा। प्रथम निहारिका अग्रवाल बी एस ए कॉलेज मथुरा। द्वितीय मधुश्री मुखर्जी सेंट जॉन्स कॉलेज आगरा। तृतीय अंशु शर्मा आर बी एस कॉलेज आगरा। सेंट जॉन्स कॉलेज, आगरा की टीम विजेता रही। **गांधी विचार गोष्ठी में** प्रथम अमन दीप कौर आर बी एस कॉलेज, आगरा। द्वितीय मेघा सक्सेना आगरा कॉलेज, आगरा। तृतीय भावना सिंह, श्रीमती भगवती देवी कन्या महाविद्यालय। **वाक् प्रतियोगिता में** प्रथम विशाल दुबे सेंट जॉन्स कॉलेज आगरा। द्वितीय चंद्रकांत द्विवेदी, आर बी एस आगरा। तृतीय लेख राज माहेश्वरी, बी एस ए कॉलेज मथुरा रहे।

इस वर्ष की पंडित गंगाधर शास्त्री हिंदी वाद विवाद की चल वैजयंती व पन्ना लाल स्मृति चल वैजयंती दोनों ही सेंट जॉन्स कॉलेज, आगरा के नाम के नाम रहीं।

अधिष्ठाता छात्र कल्याण, प्रोफेसर मोहम्मद अरशद के अनुसार 20 महाविद्यालयों की टीमों ने प्रतिभाग किया। बालिकाओं ने सर्वाधिक 7 पुरस्कार जीते और बालकों ने 5 पुरस्कार जीते।

# विश्वविद्यालय की झलकियाँ

# विश्वविद्यालय की झलकियाँ

# सभी कॉलेजों की कराई जाएगी जिओ टैगिंग

■ प्रो. विनय पाठक ने संभाला कुलपति का अतिरिक्त कार्यभार

हिन्दुस्तान

# पुस्तकालय को ई-लाइब्रेरी के रूप में करेंगे विकसित

# अब प्रो. पाठक को विवि का अतिरिक्त प्रभार

जिम्मेदारी

# प्रो. आलोक राय की जगह अब प्रो. विनय पाठक प्रभारी कुलपति

डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय में फिर से किया गया बदलाव

जागरण प्रश्न पहर

दैनिक जागरण कार्यालय में सवालों के जवाब देते डा. भीमराव आंबेडकर विवि के कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक • जागरण

सभी चार्टों का डिजिटलाइजेशन प्राथमिकता : प्रो. विनय

विवि : रूसा के तहत कामों के लिए मांगनी होगी धनराशि

# स्नातक पाठ्यक्रमों के द्वितीय और तृतीय वर्ष की परीक्षा होगी सब्जेक्टिव

# विश्वविद्यालय में बह रही 'शोध की गंगा'

जागरण के सवाल

## विवि के केंद्रीय पुस्तकालय का होने जा रहा है कायापलट

**शोधगंगा रिपोजिटरी में आंबेडकर विश्वविद्यालय 237वें स्थान से 22वें स्थान पर आया**



## पचास वर्षों के लिए विवि की कार्य योजना बनाएं : प्रो. विनय पाठक



## प्रो. पाठक ने एक माह में ही बदली विवि की दिशा और दशा

विवि के कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक का एक माह का कार्यकाल हुआ पूरा



**पहली बार ही रहा आवासीय इकाई के शिक्षकों का ऑडिट**

## कुलपति ने गिनाए यूनिवर्सिटी में एक महीने के कार्य



## भविष्य में तकनीक से ही लड़े जाएंगे युद्ध



# एक ही दिन में संशोधित हो गई अंकतालिका

अमर उजाला संवाददाता, आगरा। डा. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय के सालों से चक्कर काट रहे एक छात्र की समस्या का एक दिन में निदान हो गया। उसकी अंकतालिका को संशोधित कर अपलोड भी कर दिया गया। ये सब कार्यवाहक कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक के निर्देश पर हुआ। उन्होंने छात्र समस्याओं के प्रति गंभीर रुख अपनाया है। उनके इस निर्णय से अन्य छात्रों को भी उम्मीद जगी है।

विश्वविद्यालय के छात्र विवेक सक्सेना ने कार्यवाहक कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक से मुलाकात की। उन्हें अपनी समस्या बताई कि चुनौती मूल्यांकन का प्रकरण वर्ष 2017-18 से लंबित है। छात्र की समस्या सुनकर प्रो. पाठक ने तुरंत संबंधित अधिकारियों को ...

विवेक सक्सेना • अमर उजाला

**बदलाव**

- कार्यवाहक कुलपति के सामने छात्र ने रखी थी अपनी समस्या
- चुनौती मूल्यांकन का प्रकरण वर्ष 2017-18 से था लंबित

इन छात्रों ने भी जगी उम्मीद: ...

**पूर्व कुलपति भी नहीं बनवा पाए थे डिग्री**

विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति ने भी एक बार स्वीकार किया था कि इस विश्वविद्यालय में बतौर कुलपति वे भी डिग्री नहीं बनवा पाए। उन्होंने अपने मित्र के बेटे की डिग्री के लिए सहयोगियों को बोला था, जो उन्हें नहीं मिली थी।

दोनों डिग्रियों की परीक्षा स्नातक स्तर पर एक बार देनी होती है। छात्र का आरोप है कि विभाग में तैनात बाबू दोबारा अंकतालिका बनाने का दबाव बना रहा है, इसमें 600 रुपये खर्च होंगे। विवि में चक्कर काट कर परेशान हो चुके छात्र ने राज्यपाल आनंदी बेन पटेल को पत्र लिखा मदद मांगी है। अनिल कुमार के अलावा छात्र केशरी सिंह ने भी राज्यपाल को डिग्री समस्या को लेकर पत्र लिखा है। केशरी सिंह ने कुलपति के लिए एक वीडियो भी भेजा था। इंदु बाजपेयी ने मुख्यमंत्री को ट्वीट कर मदद की गुहार लगाई। गिरीश उपाध्याय ने उच्च न्यायालय से मदद मांगी है। अभी तक इन छात्रों को डिग्री नहीं मिली है। आवास विकास कालोनी में रहने वाले आनंद शंकर शर्मा ने इतिहास विषय में पीएचडी की थी। वर्ष 2003 में आनंद शंकर को पीएचडी की उपाधि अलंकृत की गई। मौखिक वायवा होने के बाद आनंद शंकर विश्वविद्यालय में अपनी डिग्री के लिए चक्कर काटते रहे हैं। थक हार के उन्होंने वर्ष 2017 में कोर्ट की शरण ली। कोर्ट के नोटिसों के बावजूद भी विश्वविद्यालय पर कोई असर नहीं पड़ा। कोरोना काल में उनकी मौत हो गई। पत्नी ने पति द्वारा दाखिल किए केस को जारी रखा और 24 सितंबर 2021 को सुनवाई में आगरा की स्थाई लोक अदालत ने विश्वविद्यालय के जिम्मेदार कर्मचारियों पर दो लाख का जुर्माना लगाया। अब इन सभी को समस्या का समाधान की उम्मीद है।

## विवि में विज्ञान सर्वत्र पूज्यते कार्यक्रम का हुआ शुभारंभ



## भारत सदियों से वैज्ञानिक सोच से परिपूर्ण रहा: प्रो. पाठक

- वैज्ञानिक सोच एवं तकनीकी विषय पर आयोजित हो गोष्ठी

**हिन्दुस्तान**

डॉ. भीमराव आंबेडकर विवि के नव नियुक्त कुलपति ने लिया चार्ज

## डिजिटलाइजेशन से विवि का बदला जाएगा माहौल



## मार्कशीट के बाद अब डिजी लॉकर पर होंगे विवि के रिजल्ट

आगरा | हिन्दुस्तान संवाद

डॉ. भीमराव आंबेडकर विवि की डिग्री के बाद परिणाम भी डिजी लॉकर पर होंगे। छात्रों की मार्कशीट से लेकर अन्य प्रमाण पत्र भी डिजी लॉकर पर अपलोड करने की प्रक्रिया विवि सहित प्रदेश के अन्य विवि की अब चलती होगी। इस संबंध में शासन ...

बता दें कि विश्वविद्यालय पिछले दिनों डिग्री को डिजी लॉकर अपलोड करना शुरू किया था। वि ने दो साल की डिग्री को डिजी लॉकर अपलोड किया था। अब विवि परिणाम भी इस व्यवस्था में लाने की अपर मुख्य सचिव मोनिका एस. गर्ग ने सभी को यह निर्देश दिए। इसके साथ एनसीसी, एनएसएस सहित दूसरे प्रमाण ...

## पीएचडी के लिए आवेदन आज

## कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशी हिंदी तथा भाषाविज्ञान विद्यापीठ

यह डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय का प्रथम संस्थान है । विद्यापीठ की स्थापना के पीछे मुख्य प्रेरणा तत्कालीन राज्यपाल उ. प्र., गुजराती साहित्य के लब्ध प्रतिष्ठित रचनाकार एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानी श्री कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशी जी की थी । मुंशी जी के नाम से ही 14 दिसम्बर 1953 को विद्यापीठ की स्थापना हुई । विद्यापीठ की स्थापना के पीछे मुंशी जी की परिकल्पना यह थी कि इस शोध केन्द्र के माध्यम से भाषा का संवर्द्धन एवं अन्य भाषाओं से हिंदी के तुलनात्मक अध्ययन को दिशा मिल सकेगी। प्रो. विश्वनाथ प्रसाद, प्रो. माताप्रसाद, प्रो. रामविलास शर्मा एवं. प्रो. विद्यानिवास मिश्र जैसे लब्ध प्रतिष्ठित विद्वानों ने विद्यापीठ के निदेशक पद को सुशोभित किया है । विद्यापीठ की स्थापना के उद्देश्य इस प्रकार हैं – हिंदी भाषा एवं साहित्य के संवर्द्धन हेतु शोध केन्द्र के रूप में विकास, तुलनात्मक साहित्यिक अनुसंधान को प्रोत्साहित करना, यत्र–तत्र बिखरी पड़ी हिंदी तथा अन्य भाषाओं की पाण्डुलिपियों का संरक्षण एवं उन पर अनुसंधान करना।

**विद्यापीठ में संचालित विभागों के नाम :**

- आधुनिक भारतीय भाषा विभाग
- विदेशी भाषा विभाग
- संस्कृत विभाग
- भाषाविज्ञान विभाग,
- जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग

**विद्यापीठ में संचालित पाठ्यक्रम :**

- डी. लिट्.
- एम. ए. (हिंदी, भाषाविज्ञान, संस्कृत एवं फ्रेंच)
- बी. ए. ऑनर्स (हिंदी, भाषाविज्ञान)
- सर्टीफिकेट (रशियन, फ्रेंच, जर्मन)
- एडवांस डिप्लोमा (रशियन, फ्रेंच, जर्मन)
- पी–एच.डी. (हिंदी, भाषाविज्ञान)
- भाषाविज्ञान में डिप्लोमा
- जनसंचार में पी.जी. डिप्लोमा
- डिप्लोमा (रशियन, फ्रेंच, जर्मन)

**शिक्षकों का विवरण :**

| शिक्षक का नाम | पद नाम | विशेषज्ञता |
|---|---|---|
| **हिन्दी विभाग** | | |
| प्रो. प्रदीप श्रीधर | आचार्य एवं निदेशक | हिंदी साहित्य, प्रवासी साहित्य |
| प्रो. रामशंकर कठेरिया | आचार्य | कथा साहित्य |
| डॉ. अमित कुमार सिंह | विषय विशेषज्ञ | समकालीन कविता |
| डॉ. राजकुमार | विषय विशेषज्ञ | कथा साहित्य |
| डॉ. भावना सिंह | विषय विशेषज्ञ | कथा साहित्य |
| श्रीमती मोहिनी दयाल | विषय विशेषज्ञ | प्रवासी साहित्य |

जनवरी 2018 में विद्यापीठ द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में संपादित पुस्तक के विमोचन का दृश्य

लंदन के हाउस ऑफ कॉमन्स में आयोजित संगोष्ठी में विचार व्यक्त करते हुए प्रसिद्ध साहित्यकार श्री तेजेन्द्र शर्मा जी ।

| शिक्षक का नाम | पद नाम | विशेषज्ञता |
|---|---|---|
| **भाषाविज्ञान विभाग** | | |
| डॉ. नीलम यादव | असिस्टेंट प्रोफेसर | समाज भाषाविज्ञान, भाषा शिक्षण |
| डॉ. रणजीत भारती | असिस्टेंट प्रोफेसर | अकादमिक हिंदी, प्रकार्यात्मक हिंदी |
| डॉ. रीतेश कुमार | असिस्टेंट प्रोफेसर | तकनीकी भाषाविज्ञान |
| श्रीमती पल्लवी आर्या | असिस्टेंट प्रोफेसर | तन्त्रिका भाषाविज्ञान सांकेतिकता आकृति विज्ञान |
| **संस्कृत विभाग** | | |
| डॉ. राजेन्द्र दवे | विषय विशेषज्ञ | व्याकरण एवं दर्शन |
| श्रीमती वर्षा रानी | विषय विशेषज्ञ | दर्शन एवं भाषाशास्त्र |
| **विदेशी भाषा विभाग** | | |
| डॉ. प्रदीप कुमार | विषय विशेषज्ञ | आधुनिक फ्रेंच साहित्य |
| डॉ. आदित्य प्रकाश | विषय विशेषज्ञ | आधुनिक फ्रेंच साहित्य |
| श्री कृष्ण कुमार | विषय विशेषज्ञ | फ्रेंच उपन्यास |
| **जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग** | | |
| डॉ. संदीप कुमार | विषय विशेषज्ञ | समकालीन पत्रकारिता |

**छात्रों का विवरण :**

छात्रों की कुल संख्या : लगभग 200 शोध छात्रों की संख्या : 6 जे. आर. एफ. छात्रवृत्ति : 3

**अकादमिक उपलब्धियाँ :**

| | | | |
|---|---|---|---|
| प्रायोजित शोध परियोजना | : 02 | प्रकाशित शोध पत्र | : 08 |
| संपादित पुस्तक में संकलित आलेख | : 07 | प्रकाशित पुस्तकें | : 11 |
| संगोष्ठियों में सहभागिता | : 12 | संपादित पुस्तकों का संपादन | : 12 |
| संगोष्ठियों में शोध–पत्र प्रस्तुतीकरण | : 05 | पुरस्कार | : 03 |
| विद्यापीठ द्वारा आयोजित वेबीनार | : 02 | मुख्य वक्ता के रूप में संगोष्ठियों में सहभागिता | : 04 |
| शैक्षिक उन्नयन कार्यक्रम में सहभागिता | : 02 | | |

**विद्यापीठ द्वारा पूर्व में किए गए कार्य :**

सूरसागर का प्रो. माताप्रसाद गुप्त द्वारा संपादन, विद्यापीठ की शोध पत्रिका भारतीय साहित्य का प्रकाशन, विभिन्न ग्रंथों के मूल्यवान हस्तलेखों का संग्रह एवं संपादन, सूर पीठ की स्थापना, विभिन्न राष्ट्रीय–अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठियों का अनेक बार सफलतापूर्वक आयोजन, नवम्बर 2018 में इंग्लैण्ड के हाउस ऑफ कॉमन्स में पहली बार प्रवासी हिंदी साहित्य पर आधारित ऐतिहासिक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

21 फरवरी 2022 को अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के अवसर पर विद्यापीठ द्वारा एकदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता माननीय कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक जी ने की।

अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित करते माननीय कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक जी

अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित करते माननीय कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक जी मंचासीन प्रो. प्रदीप श्रीधर, प्रो. यू. सी. शर्मा एवं डॉ. देशबंधु

**विद्यापीठ के गौरव पूर्व छात्र :**

• डॉ. परेशचन्द्र देव शर्मा, पूर्व प्राचार्य, असम शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, नौगाँव । • प्रो. एस.पी. सिंह, आचार्य एवं अध्यक्ष, हिंदी विभाग, असम विश्वविद्यालय, सिलचर । • प्रो. सुबदनी देवी, आचार्य एवं अध्यक्ष, हिंदी विभाग, मणिपुर केन्द्रीय विश्वविद्यालय, इम्फाल। • डॉ. नीलाक्षी फुकन, आचार्य, दक्षिण एशियाई भाषा विभाग, कैलीफोर्निया विश्वविद्यालय, अमेरिका। • डॉ. मालोविका, असिस्टेंट प्रोफेसर, केन्द्रीय विश्वविद्यालय, हैदराबाद । • डॉ. परिस्मिता बरदलै, असिस्टेंट प्रोफेसर, हिंदी विभाग, कॉटन कॉलेज, गुवाहाटी, असम ।

## समाज विज्ञान संस्थान

### Department of Sociology

The Department of sociology is an integral part of the Institute of social sciences, established in 1956 under the leadership of eminent sociologist Prof. R.N. Saxena . The Dept. has had a remarkable history. Renowned professors Prof. Dhanagray, Prof. S.K Srivastava, Prof. Yogesh Atal, Prof. Yogendra Singh, Prof. B.R Chauhan, Prof. Chandi Prasad, Prof. S.V Pandey and Prof. Brijesh Chandra had served the Department.

**विभाग में चलने वाले पाठ्यक्रमों के नाम :**

M.A., Ph.D.

**विगत वर्षों में विभाग द्वारा आयोजित महत्वपूर्ण संगो**

- Department organized a National webinar on the topic "Psycho-social Consequences of Covid-19 Pandemic" held on 17th May-2020, organized by Department of Sociology, Institute of Social Sciences, Dr. Bhimrao Ambedkar University Agra.
- Department organized a National webinar on the topic "Covid-19 Pandemic: Impact and Strategies for Education Sector in India" held on 31st May-2020, organized by Department of Sociology, Institute of Social Sciences, Dr. Bhimrao Ambedkar University Agra.

विभाग में कार्यरत शिक्षकों के नाम, योग्यता, विश्वविद्यालय स्तरीय, राज्य स्तरीय, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मिलने वाले पुरस्कारों का विवरण

**Prof. Md. Arshad (UGC JRF, Ph.D.)**

Prof. Md. Arshad received Award from U.P State Government for contribution in Higher Education with particular reference to contribution in implementation of National Education Policy, 2020.

**Prof. Deepmala Srivastava (M.A. Ph.D.)**

**Dr. Hariom, Guest Lecturer (UGC NET, Ph.D.)**

**Priyanka , Guest Lecturer(UGC NET)**

पूर्व छात्रों का विवरण :

- Dr. Beerpal Singh, Associate Professor, Dayal Bagh Education Institute(Deemed University) Agra
- Dr. Bharti Sagar, Associate Professor, K.R.C.,A College Mathura
- Dr. Vibha , Assistant Professor, Govt. Degree College, Jalesar
- Dr. Subha Singh, Assistant Professor, Govt. Degree College, Anwal khera,Agra.
- Dr. Pavan Singh, Lecturer in DIET, Bharatpur
- Vishwaroopa Battacharya, Deputy Director, Parliament.

विभाग में अध्ययनरत छात्रों के लिए रोजगार की संभावनाऐं:

Teaching, Research, Social Welfare Officer, Child Development Counsellor, Programme Officer, Superintendent of Jail, Administrative Jobs, Academic Jobs, NGOs.

**7. Invited talks /Task force/ Resource person :**

1. Acted as Resource person at National webinar on topic "Assessing the Post Covid-19 Changes in the Structures and Development of Indian Society: Issues, Challenges & Remedies".
2. Prof. Md. Arshad, Professor and Head at the Department of Sociology, Institute of Social Sciences delivered Invited Talk on "Indian Society: Structure and Change" as a visiting faculty at 'India: Public Health, Policy Advocacy, and Community' at SIT-World Learning India, New Delhi -110025 on September 6th, 2019.

3. Prof. Md. Arshad, Professor at the Department of Sociology, Institute of Social Sciences delivered Invited Talk on "Marginalized Communities in India: Equity and Exclusion" as a visiting faculty at India: Sustainable Development & Social Change Program at World Learning India/School for International Training Jaipur, Rajasthan, India on September 16, 20119.

4. Prof. Md.Arshad had two interactive sessions on 8th and 9th of August,2019 with fresh batch of students in the Institute of Engineering & Technology, Dr. Bhimrao Ambedkar University,Agra, during the Induction Program under AICTE mandate .

## Department of Social Work

The Department of Social Work was established in the year 1957. It is one of the oldest departments of social work of north India. It is the integral part of the Institute of Social Sciences along with the department of Sociology and Statistics.

**Vision:**

- To become a leading institution for innovative, interdisciplinary approach in educating social work practitioners and scholars, conducting research, and serving as a catalyst for positive social transformation.

**Objectives:**

- To apply the foundation knowledge, skills, values and ethics of social work practice in the assessment and treatment of individuals, families, groups, organizations and communities.
- Develop a professional identity as a social work practitioner by applying professional values and ethics to social work practice.
- Demonstrate an understanding and appreciation for human diversity, to engage non-discriminatory culturally sensitive practice to seek social and economic justice for clients, irrespective of age, class, caste, culture, disability, family structure, gender, marital status, national and religion.

**विभाग में चलने वाले पाठ्यक्रमों के नाम**

1. D. Litt. 2. Ph. D. 3. M.S.W. (Master of Social Work)

**विगत वर्षों में विभाग द्वारा आयोजित महत्वपूर्ण संगोष्ठी / कार्यशालायें :**

- The department organized a rally to celebrate the International Women's Day on 08 March 2021 to create an awareness regarding various social issues and women's rights.
- The department organized blood donation and Haemoglobin check-up camp on 11.03.2022 in collaboration with Blood Bank, S.N. Medical College and district hospital Agra, U.P.
- Organized one-day seminar on "Awareness and Protection of Consumer Rights in India" on World Consumer Rights Day in celebration of WORLD SOCIAL WORK DAY on 15.03.2022. Prof. Arvind Kumar Dean Faculty of Management JNU. New Delhi and Mr. Arun Kumar, Magistrate and Senior Member, District Consumer Commission Agra delivered their talks in the seminar.

**विभाग में कार्यरत शिक्षकों के नाम, योग्यता का विवरण :**

1. Dr. Ranvir Singh, Associate Professor, MSW. M.A. (Socio.), JRF-NET. (UGC.) Ph.D. and awarded SHIKSHA MITRA AWARD (Social Work),by Social and Legal Research Foundation , Varansi , U.P. on 12.01.2021.
2. Dr. R.K. Bharti, Reader MSW. JRF-NET. (UGC.) Ph.D.
3. Dr. Rajeev Verma, Assistant Professor , MSW. UGC-NET. LL.B. , Ph.D.
4. Dr. Mohd. Husain, Assistant Professor, MSW. M.Phil.UGC- NET. Ph.D.
5. Dr. Rajesh Kushwaha, Assistant Professor MSW. UGC-NET., Ph.D.

**पूर्व छात्रों का विवरण :**

1. Dr. Dev Swarup, Former Additional Secretary, UGC, & Vice -Chancellor Jaipur University Jaipur, presently Vice -Chancellor Dr. B.R. Ambedkar Law University Jaipur (Rajasthan)
2. Mr. Rajiv Sahdev, Sr. Vice President -HR, Moser Bear India Ltd. Noida, U.P.
3. Mr. S.N. Singh, Associate Vice President, Flex Industries Ltd. Noida, U.P.
4. Mr. Sunil Yadav, Vice President, Honda Motors Ltd. Gurgaun (Haryana)

**विभाग में अध्ययनरत छात्रों के लिए रोजगार की संभावनाएँ:**

A good future exists in the fields of social work education. The students of social work are placed as welfare officers and managers in the govt. and private sectors. Research scholars may avail fellowship from UGC.,ICSSR., DST., Ministry of Social Justice and empowerment , Criminology and correctional administration (Ministry of Home Affair), UNICEF, WHO., and other leading institutes, NGOs and funding agencies.

## Department of Statistics

Department of Statistics is an integral part of Institute of Social Sciences. Institute has 65 years' legacy of imparting Higher Education and Training in Research in the field of Sociology, Social Work and Statistics. The main objective of the establishment of this Institute was to impart quality based professional education to the students in the fields of Social Sciences, Social Work and Statistics through interdisciplinary approach and also to

conduct seminars, conferences and work shops in the areas of Social Sciences and Statistics to develop the Institute as a centre of specialization and excellence. With this consideration department of Statistics was established in the Institute as an important constituent department of Institute of Social Sciences along with Social Work and Sociology. The department of Statistics came into existence in 1956.Which is the second oldest Statistics department of U.P. and is third oldest department of Northern India. The vision of the department is to attain peaks of excellence in the dissemination of Statistical Knowledge and Learning with a view to develop Global Competencies and contribute to National Development by generating trained manpower.

**Department of Statistics offers following courses:**

- D. Sc. (Statistics)
- Ph. D. (Statistics)
- M. Phil. (Statistics) (Currently it is discontinued)
- M. Stat.

## विगत वर्षों में विभाग द्वारा आयोजित महत्वपूर्ण संगोष्ठी / कार्यशालायें

- The Department organised a Webinar on 27.05.2020, entitled "Data Analysis and Statistical Computing" in which Ex. Chief Statistician of India Prof. T. S. A. Anant was the Chair person. More than 3000 students, research scholars, research scientists and teachers joined this Webinar on line not only in India but across the world.

## CURRENT FACULTY PROFILE

| | *Qualification* | *Designation* | *Specialization* | *Experiences* |
|---|---|---|---|---|
| *Prof. Meenakshi Srivastava* | *M.Sc., NET – JRF, Ph.D.(B.H.U.)* | *Professor &Head* | *Sample Survey , Optimization Techniques and Demography* | *32Years* |
| *Prof. Vineeta Singh* | *M.Stat., M.C.A., Ph. D.* | *Professor &Dean Research* | *Design of Experiments, Data Mining and Biostatistics* | *32Years* |
| *Prof. Manoj Kumar Srivastava* | *M.Stat., Ph.D.* | *Professor & Director ISS* | *Statistical Inference* | *32Years* |
| *Prof. Diwakar Khare* | *M.Stat., Ph.D.* | *Guest Faculty Ex-Director,ISS* | *Economic Statistics* | *38 Years* |

## पूर्व छात्रों का विवरण :

1. Prof. M. K. Sharma, Department of Statistics, University of Ethopia.
2. Dr. Harish Chandra, Depty Director Genral, CSO.
3. Mr. Sudhir Kumar, IAS(Allied), Posted in Railway Account Services.
4. Prof. M. N. Murthy School of Public Health, University of Adelaide, Australia.
5. Dr. Puneet Verma, Advisor, RBI.
6. Dr. T. R. Chauhan, Ex Principal, RBS College, Agra.
7. Prof. J. P. Singh Joorel, Director, INFLIBNET.
8. Dr. Rakesh Kumar Rana, Statistical Officer, CCRAS, Ministry of Ayush, New Delhi.
9. Dr. Sukhdev Mishra, Scientist D , NIOH, Indian Council Of Medical Research, Ahmedabad.
10. Prof. Vinod Mishra, Chief, Migration and Urbanisation UN.

**विभाग में अध्ययनरत छात्रों के लिए रोजगार की संभावनाएँ :**

- Statistical Officer for Analysing Govt. Data for National Planning/Asst Prof/Assoc. Prof./Prof. in Universities and Medical Colleges.
- Indian Statistical Services (Central Civil Services Group 'A').
- NSSO (National Sample Survey Organization) Central Statistical Organization (CSO).
- Research Asst. (Statistics) ARO, RO(Research)/(RBI) Researchers at National and Inter-national level.

## गृह विज्ञान संस्थान

### Year of establishment

The Institute of Home Science at Khandari was established in 1968 and has the status of being the first Home Science Education Center in the state. It was initially named as the Institute of Household Arts and Home Science. In the beginning B. A. [Household Art] and B. Sc. [Home Science] Two years courses were adopted. In 1970, M.A. [Household Art] and M.Sc. [Home Science] courses were introduced.

At present the Institute is running B. Sc. (Home Science), M.Sc. (Home Science) with specialization in Human Development and Family Studies, Food and Nutrition, Extension, Communication and Management, M. Sc. (Home Science) General under the C.B.C.S. system, Certificate in Computational Chemistry, Ph.D.

**Objectives**

- To develop professional competencies for a wide variety of careers in teaching, research, commercial and welfare programmes.
- To prepare Home Science graduates for self-employment, professional career, management of the home, bringing health and happiness to the family inside the home and in the community.
- To inculcate the values of discipline, respect, commitment and concern for the service of the community.

**विभाग में चलने वाले पाठ्यक्रमों के नाम**

1. B. Sc. (Home Science)
2. M. Sc. (Home Science) Specialization
   - Human Development and Family Studies
   - Food and Nutrition
   - Extension, Communication and Management
3. M. Sc. (Home Science) General
4. Certificate in Computational Chemistry
5. Ph.D.

## विगत वर्षों में विभाग द्वारा आयोजित महत्वपूर्ण संगोष्ठी / कार्यशालायें

• Seminar on "किशोरावस्था में बेटियों का शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य" (Date: February 11, 2021), • **Workshop :** Workshop on "Lippan Art and Other Creative Works" (Date: 11-12 February, 2020) • **Webinar :** International webinar on 'Nurturing physical, mental and social health: during and after COVID-19' (Date: May 16, 2020), • Webinar on 'Career Prospects for Home Science Graduates: The Healthcare Industry - The New Reality of the New Normal' (Date: June 25, 2021)• Webinar on Gender Equality (Date: February 3, 2022)

## विभाग में कार्यरत शिक्षकों के नाम, योग्यता का विवरण :

| S. No. | Name of Faculty (Regular) | Qualification | Department/Allied Subject |
|---|---|---|---|
| 1 | Prof. Achla Gakkhar (Professor and Director) | M. Sc., Ph. D. | Extension, Communication and Management |
| 2 | Dr. Archana Singh (Associate Professor) | M. Sc., Ph. D. | Biochemistry, in charge food and nutrition |
| 3 | Dr. Ankita Gupta (Assistant Professor) | M. Sc., Ph. D. NET – JRF | Food and Nutrition |
| 4 | Miss Sanghamitra Gautam (Assistant Professor) | M. Sc., Ph. D. (Submitted) NET | Textile and Apparel Design |
| 5 | Dr. Saleem Javed (Assistant Professor) | M. Sc., Ph. D. NET – JRF / GATE / Slate | Chemistry |

| S. No. | Name of Faculty (Subject Expert) | Qualification | Department/Allied Subject |
|---|---|---|---|
| 1 | Dr. Neha Saxena | M. Sc., Ph. D., NET – JRF | Human Development and Family Studies |
| 2 | Dr. Neeta Kapoor | M. Sc., Ph. D. | |
| 3 | Dr. Anupama Gupta | M. Sc., Ph. D. | |
| 4 | Dr. Deepti Singh | M. Sc., Ph. D. | Food and Nutrition |
| 5 | Miss Priya Yadav | M. Sc., Ph. D.(Pursuing) NET | |
| 6 | Miss Neha Chaturvedi | M. Sc., Ph. D. (Submitted) NET | Extension, Communication and Management |
| 7 | Dr. Mamta Saraswat | M. Sc., Ph. D. | Family Resource Management |
| 8 | Dr. Ranjana Gupta | M. Stat, Ph. D. | Research and Statistics |
| 9 | Dr. Rashmi Sharma | M. Sc., Ph. D. | Physiology |

पूर्व छात्रों का विवरण :

| वर्ष | छात्रा का नाम | डिग्री | व्यवसाय एवं पता |
|---|---|---|---|
| 2021 | Shivangi Verma | M. Sc. (Food and Nutrition) | Dietician, Dr. Ram Manohar Lohia, Institute of Medical Science, Lucknow |
| 2020 | Kajol Singh | M. Sc. (Food and Nutrition) | Dietician, Shantiveda Institute of Medical Science, Agra |
| 2019 | Madhavi Kavra | M. Sc. (C.D.) | Dolphin Kids Play School, New State Bank Colony, Kasganj |
| 2019 | Akansha Sharma | M. Sc. (Food and Nutrition) | Guest Faculty, M. G.P.G. College, Firozabad |
| 2018 | Kirti Pandey | M. Sc. (General) | Dietician, Rainbow Hospital, Agra |
| 2018 | Neha Agarwal | M. Sc. (Food and Nutrition) | Dietician, Jaypee Hospital, Noida |

विभाग में अध्ययनरत छात्रों के लिए रोजगार की संभावनाऐं:

- Dietician
- Interior decorator
- Teaching
- Jobs in Welfare Organizations
- Nursery School Teaching
- Fashion Designer
- Social Welfare Worker
- Counselor
- N. G. O.
- Lead Banks

## मौलिक विज्ञान संस्थान (आई.बी.एस.)

### Department of Physics

The Department of Physics is one of the prestigious basic science Department of the University established in 1981. This department was established with two course M.Phil. and Ph.D. Physics with the motto of good research work. On this aim department till now awarded one hundred thirty Ph.D. degrees, two hundred fifty M.Phil. degrees and around four hundred research papers in national and international journal of Physics and applied Sciences.

Teaching by the faculty members is based on various methods such as conventional black-board teaching, on-line mode through experiments in the laboratory, through virtual-labs of Ministry of Education. The evaluation methodology is CBCS based in which forty percent internal assessment and sixty percent external assessment. The semester examinations are arranged at the end of each semester whereas the periodical tests are conducted throughout the semester for making a continuous evaluation. The evaluation for participation in Seminars, Assignments, Quiz and Group discussions is also made in every semester.

**The various research area of intrest of the department faculties members are:**

- Condensed Matter Physics
- Geophysics
- Nanotechnology
- Solar Physics
- Solid State Physics
- Microwave Physics
- Fuel Cell

**The infrastructure of department is:**

- One Lecture Room (Smart classroom)
- Staff Rooms & Research Scholars Room
- Two Laboratories (General Physics & Electronics)
- Solar Physics Lab (COMSOL & PVSYST software)
- Library (containing about 1000 books)
- Computer-Lab (12 students capacity)
- Department Office
- Experimental Equipments

**विभाग में चलने वाले पाठ्यक्रमों के नाम**

Ph.D. Physics (16 Seats) M.Sc. Physics (20 Seats)

**विगत वर्षों में विभाग द्वारा आयोजित महत्वपूर्ण संगोष्ठी / कार्यशालायें**

Some important highlights of the major achievements of the Department in the last five years:

- Faculties and Research scholars of the Department published Ten (10) research papers in various International and National Journals and participated in several National and international conferences/seminars/symposia
- One student Ms. Neetika Yadav of M.Phil. qualified UGC NET lectureship examination and Ankita Kumari qualified GATE examination.

The Wonderous world of Nanomaterial

**विभाग में कार्यरत शिक्षकों के नाम, योग्यता का विवरण**

Prof. B.P. Singh, M.Phil., Ph.D. Physics (HoD)

Prof. Bindu Shekhar Sharma, M.Phil., Ph.D. Physics

Department faculty, Prof. B.P. Singh was selected in Top 10 Teachers of the University for uploading maximum e-content by U.P. state govt.

Department faculty, Prof. B.P. Singh was among five teachers of the University for getting Solar Energy project by U.P. state govt.

**पूर्व छात्रों का विवरण :**

Dr A.M. Sherry, Director, IIIT Lucknow

Dr AK Sharma, Education Officer, MP Govt.

Dr PK Jain, Scientist G., DRDO Lab, Hyderabad

Dr Anit Kumar, BARC, Mumbai

Dr RS Chuhan, NCC Coordinator, DBRAU

Prof Munish Kumar, Prof, GBPAU, Pantnagar

Prof SC Sharma, DTU, Delhi

**विभाग में अध्ययनरत छात्रों के लिए रोजगार की संभावनाएँ:**

Department courses are job-oriented courses. Various courses have semester training programs in different semesters.

## Department of Chemistry

Department of Chemistry, Dr Bhimrao Ambedkar University, Agra was established in the year 1981 for M.Phil. and Ph.D. programmes and has presently three faculty members (one Professors and two Associate Professor). Till 1995 only M.Phil. and Ph.D. programmes were running in the Department. Later in the year 1996 M.Sc. Analytical and M.Sc Industrial chemistry were opened, thereafter, in 1998 M.Sc. Forensic Science and in 2003 M.Sc. Chemistry were started with 15 seats for each course. Presently the admission to any courses is strictly on the basis of Merit & Written test/interview Course in the Department follows CBCS semester system, which includes regular seminars, assignments, periodical tests, practical and research work as part of curriculum. This Department from the very beginning has strived hard for quality teaching and research and have played significant role in the field of spreading the scientific knowledge among the students who are placed in good positions in the field of academics, Industry, R&D and in National & international institutions etc. Faculty and students associated with this Department have published more than 500 papers in National and International Journals of repute and from this Department more than 100 doctorate and 300 M.Phil. have been awarded. More than 50 students have qualified UGC-CSIR (NET) Examination for JRF, Lectureship eligibility and other National examinations in last five years. The thrust areas of research are in the field of coordination chemistry, environmental chemistry, macrocyclic chemistry, polymer chemistry and nanosciences. Department is well equipped with instruments like AAS, FTIR(ATR & KBr) UV-Visible Spectrometer, Flame Photometer, Gel electrophoresis, Aerosol Spectrometer, FTIR, Uv-Visible, Microwave synthesizer, Flame Photometer, and various air pollutions monitoring instruments etc

**विभाग में चलने वाले पाठ्यक्रमों के नाम :**

- Ph.D Chemistry
- M.Sc. Chemistry

**विगत वर्षों में विभाग द्वारा आयोजित महत्वपूर्ण संगोष्ठी / कार्यशालायें**

National Conference on Science, Technology and Emerging Applications of Microscopy(STEAM-2019)

**विभाग में कार्यरत शिक्षकों के नाम, योग्यता का विवरण :**

1) Prof. Ajay Taneja, M.Sc. NET, Ph.D.
   Award:
   i. LEAP Fellowship from MHRD
   ii. Best PG Teacher Award for Chemistry by Association of Chemistry Teachers(Homi Bhabha Centre of Science Education, TIFR, Mumbai
2) Dr. Devendra Kumar, M.Sc., M.Phil., Ph.D.
3) Dr. Jaiswar Gautam, M.Sc. NET, Ph.D.

**पूर्व छात्रों का विवरण :**

1. Dr. Manoj Rawat, Ex-Principal, Agra College, Agra
2. Dr. Ravi Shankar Sharma, Sr. Scientist, Custom and Excise Department, Mumbai
3. Dr. Satya Prakash Gautam, Technical Director, Sterile India Pvt Ltd, Sonipat
4. Dr. Ram Sewak Sharma, General Manager, Gujrat Fluoro Chemical Ltd., Gujrat
5. Dr. Seema Garg, Department of Chemistry, Amity University, Noida

**विभाग में अध्ययनरत छात्रों के लिए रोजगार की संभावनाएँ:**

In Research Laboratories and Industries

## Department of Mathematics

The Department of Mathematics, Agra University (later renamed as Dr. Bhimrao Ambedkar University, in 1994) was established in 1981 with one Professor and one Reader to run M.Phil. program. Later on, M.Sc., MCA, Diploma and Certificate courses in Mathematics and Computer Science were introduced and the strength of the department rose to one Professor, two Readers, two Lecturers and some contractual and guest faculty. At present Department is running M.Sc. course in addition to Ph.D. program. The research areas in the department are fluid mechanics, operation research, reliability theory, topology, analysis, bio-mathematics, cryptography and fuzzy mathematics.

**Courses offered by Department:** M.Sc. and Ph.D.

**Conferences and Seminarsorganized in the department in last five years:**

- Workshop on MATLAB, Mar. 2017.
- Conference on Mathematical Sciences & Development, Dec. 22-24, 2018.
- Workshop on Recent Trends in Physical Sciences & its Applications, Nov. 07- 08, 2019.
- Webinar on Mathematical Analysis of COVID-19, May-20
- International Conference on Advancement in Interdisciplinary Research, 29-31 Oct., 2021
- Seminar on the topic How to Avoid the Doctor byDr. L. B. Sharma, London

**Faculty Details:**

- Prof. Sunder Lal, Honorary Professor, M.Sc., M.Phil., Ph.D.
- Prof. Sanjeev Kumar, Professor & Head, M.Sc., M.Phil., Ph.D.
- Prof Sanjay Choudhary, Professor, M.Sc., M.Phil., Ph.D.
- Dr. Shyamli Gupta, Subject Expert, M.Sc., Ph.D., NET-JRF

**Key Alumni of the Department:**

- Prof. Manoj Kumar - Harish Chandra Research Institute, Prayagraj
- Prof. M.K. Gupta, CCS University, Meerut
- Prof. S.P Singh, DEI, Agra
- Prof. Madhu Jain, IIT Roorkee
- Prof. Hariom, IIT (ISM) Dhanbad

**Opportunities for Students studying in the department:**

Students studying in the department can pursue their carrier in teaching at College/ University level and research in University/Scientific organization. We have a strong Alumini and Department continuously organising academic events almost every

## Department of Pharmacy

The Department of Pharmacy was established in the year 2002 in the Khandari campus of Dr. Bhimrao Ambedkar University, Agra. The department is approved by PCI, New Delhi. The Department of Pharmacy is committed to developing trained patient-centered pharmacy professionals in an inter-professional environment. The department is involved in optimizing health through discovery as well as creating a team health care environment. Our motto reflects the growing contribution to healthcare.

**Courses :**

1. D. Pharm. (2 yrs.), 2. B. Pharm. (4 yrs.), 3. M. Pharm. (2 yrs.) in three specializations- (Pharmaceutics, Pharmaceutical Chemistry, Pharmacognosy), 4. Pharm.D (6 yrs.), 5. Pharm.D (Post Bacculerate 3 yrs.)

**Activities Organized by Department**

| S.No | Activity | Date |
|---|---|---|
| 1. | Carrier opportunities in aroma industry | 27th July 2019 |
| 2. | Training program for elimination of Tuberculosis from India | 12th and 13th Sept. 2019 |
| 3. | Poster Presentation | 25th Sept 2021 |
| 4. | Food packets distribution to TB patients | 27th Nov 2021 |
| 5. | Sports Activity in Department | 26th to 29th Feb 2022 |

**Faculty Members**

| S.No. | Name | Designation | Specialization |
|---|---|---|---|
| 1. | Prof. Brijesh K. Tiwari | Head Of Dept. | Pharmacognosy |
| 2. | Dr. Ravi Shekhar Sharma | Assist professor | Pharmaceutics |
| 3. | Dr. Jaybir Singh | Assist professor | Pharmaceutics |
| 4. | Mr. Manoj Kumar Yadav | Assist professor | Pharmacology |
| 5. | Mrs. Pratibha Mishra | Assist professor | Pharmacognosy |
| 6. | Dr. Pooja Sharma | Assist professor | Pharmaceutical Chemistry |
| 7. | Dr. Vijay Kr. Yadav | Assist professor | Pharmacognosy |
| 8. | Dr. Bhoomika Chaudhary | Assist professor | Pharmaceutics |

**ALUMNI 'S**

- Rakesh Sharma, Drug Inspector, Delhi Government
- Mukesh Kumar, Production Chemist, Intas Ahmedabad
- Nitin Sharma, Area Sales Manager, East West Pharma
- Anoop Singh, Production Chemist, Mankind pharmaceuticals
- Pawan Pachauri, Production Chemist, Multani Pharmaceuticals

**Career Paths after Graduation in Pharmacy (Pharmaceutical Sciences)**

Research & Development, Analytical R&D and Formulation Development (F&D), Manufacturing, Quality Control, Quality Assurance, Regulatory Affairs, Sales & Marketing, Academia, Hospital / Clinical / Community Pharmacy, Entrepreneurship

## दाऊ दयाल व्यावसायिक शिक्षण संस्थान

Dau Dayal Institute of Vocational Education (DDIVE) is a premiere institute of Vocational Education of Dr Bhimrao Ambedkar University. It is established in 1994 to impart vocational education through various courses viz. B.Sc(Voc), B.Com(Voc) in the view of globalization of education and economy, these courses are more relevant and carrier oriented with focus on quality and excellence. During the course work grooming of

students is done on various parameters such as teaching, lab work, skill development, on the job training, project work, industry visits etc., to make impact on national/international levels. It is envisaged that professionally qualified graduates with a sound knowledge of core disciplines and expertise in a concerned skill will have more opening in service, industry, and self-employment. Demand and scope for such professionally trained graduates are visible in applied field of almost all basic/core disciplines and faculties in the current changing global scenario and is likely to increase in the future.

1. विभाग में चलने वाले पाठ्यक्रमों के नाम

I. B .Sc (Vocational) II. B. Com (Vocational)

III. B.Voc (Marketing management & Information Technology)

IV. M .Sc (Electronics & Instrumentation) V. Ph. D (Instrumentation)

**विगत वर्षों में विभाग द्वारा आयोजित महत्वपूर्ण संगोष्ठी / कार्यशालायें**

I. 14th June 2020, Online workshop on Electric Vehicles and charges

II. 15th November 2020, Online Workshop on Data Science - Snapchat Filter

III. A national seminar on "Vagyanik Soch and Takniki" was organized on National Science Day on 28th Feb 2022.The program was presided over by Honorable Vice Chancellor Prof Vinay Kumar Pathak. Prof Ramphal Sharma, Dept of Physics, Baba Saheb Ambedkar Marathwada University, Aurangabad was the special guest.

**विभाग में कार्यरत शिक्षकों के नाम, योग्यता का विवरण :**

| S.No | Name of Faculty | Qualification |
|---|---|---|
| 1 | Prof. Sharad Chandra Upadhyaya | Ph.D. |
| 2 | Prof. Santosh Bihari Sharma | Ph.D. |
| 3 | Dr Sanjeev Sharma | Ph.D. |
| 4 | Dr Krishna Kumar Pachauri | Ph.D. |
| 5 | Dr Kaushal Rana | Ph.D. |
| 6 | Dr Praveen Kumar | Ph.D.<br>Best presentation award (ICSTSH-2018) |

भारत सदियों से वैज्ञानिक सोच से परिपूर्ण रहा: प्रो. पाठक

राष्ट्रीय खबर एक्सप्रेस

» वैज्ञानिक सोच एवं तकनीकी विषय पर आयोजित हुई गोष्ठी

पूर्व छात्रों का विवरण :

| S. No. | Name | Organization |
|---|---|---|
| 1 | Dr. B.S. Kushwaha | Director, F.E.T., RBS College, Agra |
| 2 | Dr. Balraj Gupta | General Manager, Marson Pvt. Ltd., Agra |
| 3 | Dr. Brij Kishor Sharma | Associate Professor, Jaipur Engineering College, Jaipur |
| 4 | Dr. Nitin Bindal | Indian Oil Corporation Aligarh |
| 5 | Dr. Raj Kumar Sharma | Assistant Professor, BSA Engineering College, Mathura |

विभाग में अध्ययनरत छात्रों के लिए रोजगार की संभावनाएँ :

- Most of the students go for Higher Studies viz. MCA, MBA, M.Sc. etc.
- Some of them placed in government sector, corporate sectors and set up their company.

'सौर-तरंग ऊर्जा बनेगी तरक्की का आधार'

## अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संस्थान (आई.ई.टी.)

**INTRODUCTION OF INSTITUTE:**

Founded in the Year 1998, The Institute of Engineering & Technology (IET) is an integral part of Dr. B. R. Ambedkar University, Agra (formerly Agra University), situated at Khandari Campus, Agra,Uttar Pradesh which is B++ Grade, NAAC Accredited; AICTE Approved Institution).Institute has implemented Outcome based model of education, which is entirely a student centric approach.

**VISION:**

To be a leading Institute offering quality technical education, research and preparing technocrats with applicable knowledge for the development of the industry and society.

**COURSES OFFERED :**

- Computer Science Engineering
- Electronics & Communication Engineering
- Mechanical Engineering
- Civil Engineering
- Electrical Engineering

## LIST OF TEACHING FACULTY MEMBERS WITH THEIR QUALIFICATION:

| S.No. | NAME | Subject | QUALIFICATION |
|---|---|---|---|
| 1 | DR. RAJESH LAVANIA | Computer Science Engineering | B.E., M.E., Ph.D. |
| 2 | ER. SARKAR S. MEHTA | Computer Science Engineering | B.Tech., M.Tech., MBA (HR) |
| 3 | ER. PRASHANT MAHARISHI | Computer Science Engineering | B.Tech.,M.Tech. |
| 4 | ER. SAURABH GARG | Computer Science Engineering | B.Tech.,M.Tech. |
| 5 | DR. D.SHAKINA DEIV | Electronics & Comm. Engineering | B.E., M.E., Ph.D. |
| 6 | DR. MUKESH KR. BAGHEL | Electronics & Comm. Engineering | B.E., M.E., Ph.D |
| 7 | DR. GREESH KR. SINGH | Electronics & Comm. Engineering | B.Tech., M.Tech.,Ph.D. |
| 8 | ER. AJAY YADAV | Electronics & Comm. Engineering | B.E., M.Tech |
| 9 | ER. MAYANKA SAKET | Electronics & Comm. Engineering | B.Tech.,M.Tech. |
| 10 | ER. ANKITA MAHESHWARI | Electronics & Comm. Engineering | B.Tech., M.Tech., Ph.D. (Pursuing) |
| 11 | DR. SHILPI LAVANIA | Electronics & Comm. Engineering | B.Tech., M.Tech., Ph.D. |
| 12 | ER. DHEERAJ SINGH | Electronics & Comm. Engineering | Ph.D. |
| 13 | ER. AMOL KUMAR | Electronics & Comm. Engineering | B.Tech., M.Tech., Ph.D. (Pursuing) |
| 14 | ER. ASHISH SHARMA | Electronics & Comm. Engineering | B.Tech.,M.Tech. |
| 15 | ER. AJEET SINGH YADAV | Mechanical Engineering | B.E., M.E., Ph.D. (Pursuing) |
| 16 | ER. CHANDAN KUMAR | Mechanical Engineering | B.Tech.,M.Tech. |
| 17 | ER. VIPIN KUMAR | Mechanical Engineering | B.Tech., M.E., Ph.D. (Pursuing) |
| 18 | ER. SHAILENDRA SINGH | Mechanical Engineering | B.Tech., M.Tech., Ph.D. (Pursuing) |
| 19 | ER. NAGENDRA SINGH | Mechanical Engineering | B.Tech., M.Tech., Ph.D. (Pursuing) |
| 20 | ER. SAURABH PACHAURI | Mechanical Engineering | B.Tech., M.Tech., Ph.D. (Pursuing) |
| 21 | ER. MANISH DIXIT | Mechanical Engineering | B.E., M.Tech., Ph.D. (Pursuing) |
| 22 | ER. DEVARSHI KAPIL | Mechanical Engineering | B.Tech.,M.Tech. |
| 23 | DR. REKHA SHARMA | Physics | B.Sc., M.Sc., M.Phil., Ph.D. |
| 24 | DR. SUNIL KUMAR | Physics | B.Sc., M.Sc., M.Phil., Ph.D. with RGNF-JRF |
| 25 | DR. SHALINI SHARMA | Mathematics | B.Sc., M.Sc., , Ph.D., PGDCP |
| 26 | MR. PUSHPENDRA SINGH | Physics | M.Sc., M.Phil. |

## Important Workshop/Seminars/Events Organised at IET in last few years :

| SN | ACADEMIC YEAR | TYPE | NAME | DATES | PARTICIPANTS |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2018-19 | Expert Lecture | Guest Lecture in CSE | 11th to 12 April 2019 | Students |
| 2 | 2019-20 | Seminar | Seminar On "Social Innovation And Entrepreneurship" | 14th December 2019 | Students |
| 3 | 2019-20 | Training Program | GATE Crash Course | 2nd to 9th January 2020 | Students |
| 4 | 2020-21 | Conference | National Conference on "Futuristic Trends in Mechanical, Mechatronics and Automation Engineering" | 20th to 21th March 2021 | Faculty & Students |

## ALUMINI DATA :

| S.N | Session | Student Name | Current Position | Organisation |
|---|---|---|---|---|
| 1 | 2004-2008 | Nitin kumar | Assistant Manager (Air traffic control) | Airports Authority of India |
| 2 | 2008-2012 | VISHVENDRA SINGH MALIK | REVENUE INSPECTOR | DEPT OF REVENUE,GOVT OF UTTAR PRADESH |
| 3 | 2008-2012 | PUSHKAR KUMAR | Assistant Manager | Godrej & Boyce Mfg. Co. Ltd. |
| 4 | 2004-2008 | Pushpendra Kumar | Scientific Officer | Nuclear power corporation of India limited |
| 5 | 2007-2011 | Dev Pal | ALP | INDIAN RAILWAY |
| 6 | 2001-2005 | Sanjeev Kumar | Manager | Bharti Airtel Limited |
| 7 | 2004-2008 | RekhaBaghel | Assistant professor | Galgotias college of Engineering and Technology |

## EMPLOYMENT OPPORTUNITIES AT IET

Institute of Engineering and Technology Agra has established its Training and Placement Cell to become as a pioneer in today's expeditious world. The students have been provided with the best opportunities and facilities regarding their career. The purpose of the cell is to minimize gap between institute and industry.

The Training and Placement Cell of IET is a faculty and student coordinated body that embodies the philosophy of providing placements opportunity for all the students.

**IET Agra and Internshala Partnership**

- Total 1173 students of IET have been registered on Internshala portal. Till now 70 students got their internship opportunity through their portal.
- In the month of June 2020, IIT Hyderabad selected 7 students of IET(one topper student from each branch) for their Online Summer Internship Program.

**IET Agra and AICTE Internship Portal**

- AICTE with association with NEAT team, developed their internship portal, where more than 300 certified and authentic companies including your dream company, regularly keep posting their requirements for interns.
- Total 220 students of IET Agra have successfully registered themselves on AICTE Internship Portal https://internship.aicte-india.org/

## सेठ पदम चन्द जैन प्रबंध संस्थान

Seth Padam Chand Jain Institute is a pioneer institute in the field of management education. It was established in the year 1993. Its aim is to create confident, capable and competent professionals having a holistic orientation so as to meet the emerging challenges of the competitive world.

The institute is offering Post graduate programmes : MBA (Full Time)- four semesters , M.Com - four semesters under CBCS system & MBA (Part Time) - six semesters and PGDBM - two semester diploma course . In addition to this the institute is also offering BBA- six semesters, an undergraduate programme.

To provide the students with an opportunity to learn practically through the interaction, working methods and employment practices, regular interactive sessions are conducted with industry experts through seminars, workshops & lectures.The details of some of the activities which the institute has undertaken in recent years are given below.

A Lecture was organized by the institute in association with PNB Metlife in the month of August on the topic "Financial Inclusion". One day career counselling workshop was organized for the students in the month of September 2021. A lecture was taken by Dr. Nazia Shehzad, Assistant Professor, European International College, Abu Dhabi on "Happiness at Workplace" in, 2018. A seminar was organised on the birth ceremony of "Maharshi Valmiki" in October 2021.

**List of the Few Alumni :**

- Mr Vivek Mathur-GM UPSRTC,Lucknow
- Mr Apoorv Hajela-Manager, Bank of Baroda, RO, Agra
- Mr. Puneet Kumar- Mgr- HR, Atomic Power Plant, Narora.
- Mr Rajat Dwivedi- Assistant Manager (Sales) Birla Corporation Limited, Sultanpur.
- Mr Ashutosh Saxena-Manager Sales eau bathing solutions pvt ltd, Gurugram.

## पर्यटन एवं होटल प्रबन्धन संस्थान

Agra University was pioneer in starting the tourism courses in North India. Post Graduate Diploma in Tourism and Hotel Management (PGDHTM) course was started in 1986. Later on Mater in Tourism Management (MTM) was started in 1998.

All the course brought under a single umbrella namely Institute of Tourism and Hotel Management ,in 2004.

The aim of these courses are to provide trained man power to the hospitality industry specially international tourist City like Agra where are a good number of hotels , travel agencies, Emporiums etc.

**At present we are running Following Courses:**

- Ph. D.
- MBA ( Travel & Tourism Management), 30 Seats , 4 Semesters
- BBA (Hospitality Management) 30 Seats , 6 Semesters
- BA ( Vocational), Travel and Tourism Management, 30 Seats , 6 Semesters
- Post Graduate Diploma in Hotel and Tourism Management (PGDHTM), 30 Seats, Annual Course

**REGULAR**

1. Prof. Lavkush Mishra ; NET, Ph.d. MTA, B.Sc. FDP- IIM -Indore
2. Prof. U.N.Shukla ; Ph.d. MTA, M.Sc.

**SUBJECT EXPERT**

1. Dr. (Smt.) Y. Aparna ; NET, Ph.d. , MA ( English)
2. Mr. Amit Sahu; BHMCT

## ललित कला संस्थान

रचनात्मक अभिव्यक्ति की जितनी संभावनाएं ललित कला में हैं, उतनी अन्य किसी विधा में नहीं हैं। ललित कला की इन्हीं अवधारणाओं को सफलतम रुपों से विकसित करने के उद्देश्य से ललित कला संस्थान की आवश्यकता अनुभव की गयी तथा सर्जनात्मक अभिव्यक्ति की संभावनाओं को बहुआयामी बनाने के उद्देश्य से संस्थान की स्थापना सन 2000 में हुई। संस्थान अपने अस्तित्व के लगभग 22वें साल में सफलता के साथ चल रहा है एवं व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में स्नातक तथा परास्नातक स्तर की उपाधि दे रहा है। हमारे पाठ्यक्रमों को व्यापक व्यावसायिक व अकादमिक स्वीकृति प्राप्त हुई है। अपने विकास के इस क्रम में विभाग नये परिवर्तनों को अपनाने के लिए सदैव तत्पर है।

**संस्थान में चलने वाले पाठ्यक्रमों के नाम :**

- व्यावहारिक कला विभाग (बी.एफ.ए., एम.एफ.ए., डिप्लोमा कोर्स और सर्टिफिकेट कोर्स)
- चित्र कला विभाग (बी.एफ. ए. एम.एफ.ए. डिप्लोमा कोर्स और सर्टिफिकेट कोर्स) मूर्ति कला विभाग (बी.एफ. ए. एम.एफ.ए., डिप्लोमा कोर्स और सर्टिफिकेट कोर्स)
- संगीत कला विभाग (बी.एफ.ए. एम.एफ.ए. डिप्लोमा कोर्स और सर्टिफिकेट कोर्स)

**संगोष्ठी / कार्यशालायें :**

- सृजन 2019 (1 से 7 अक्टूबर) मूर्ति कला व चित्र कला कार्यशाला (डॉ. भीमराव आंबेडकर यूनिवर्सिटी, आगरा) ।
- सृजन 2018 (25 सितम्बर से 1 अक्टूबर) मूर्ति कला कार्यशाला (डॉ. भीमराव आंबेडकर यूनिवर्सिटी, आगरा)।
- सृजन 2017 (1 से 7 अक्टूबर) मूर्ति कला व चित्र कला कार्यशाला (डॉ. भीमराव आंबेडकर यूनिवर्सिटी, आगरा) ।
- आजादी का अमृत महोत्सव चित्र कला कार्यशाला 2021–22 (डॉ. भीमराव आंबेडकर यूनिवर्सिटी, आगरा) ।

**संस्थान में कार्यरत शिक्षकों के नाम, योग्यता का विवरण:**

1. डॉ. अरविन्द कुमार राजपूत– (पी.एच.डी., एम.एफ.ए. व बी.एफ.ए.)
2. डॉ. शार्दूल मिश्रा (पी.एच.डी. एम.एफ.ए. व बी.एफ.ए.)
3. डॉ. ममता बंसल (पी.एच.डी. एम.ए., बी.ए. व बी.एड.)
4. डॉ. मनोज कुमार (पी.एच.डी., एम.ए. व. बी.ए.)

5. श्री देवेन्द्र कुमार सिंह (नेट, एम.एफ.ए. व बी.एफ.ए.)
6. श्री गणेश कुशवाह (नेट, एम.एफ.ए. व बी.एफ.ए.)
7. श्री देवाशीष गांगुली (नेट, एफ.ए. व संगीत प्रभाकर एवं भास्कर)
8. श्री दीपक कुलश्रेष्ठ (एम.फिल. व एम.वी.ए.)

**संस्थान के पूर्व छात्रों का विवरण :**

1. परशुराम मंडल, कला शिक्षक इंटर कॉलेज
2. प्रवीण कुमार, कला शिक्षक इंटर कॉलेज
3. डेजी भारती, कला शिक्षक इंटर कॉलेज
4. माधवी शर्मा, पी.ए. चेयरमैन राष्ट्रीय ललित कला अकादमी

**छात्रों के लिए रोजगार की संभावनाएँ :**

**व्यावहारिक कला विभाग** : विज्ञापन डिजाईन, वेब डिजाइन, इलस्ट्रेसन, कार्टूनिंग, ग्राफिक डिजाइनिंग क्षेत्र आदि में विभिन्न प्रकार के रोजगार की संभावना।

**चित्र कला विभाग** : इलस्ट्रेसन, कार्टूनिंग, फिल्म इंडस्ट्री, पेंटिंग संरक्षक, शिक्षा जगत आदि में विभिन्न प्रकार के रोजगार की संभावना।

**मूर्ति कला विभाग** : प्रोडक्ट डिजाइनिंग, टॉय डिजाइनिंग, एनीमेशन, सेट डिजाइनिंग, शिक्षा जगत आदि में विभिन्न प्रकार के रोजगार की संभावना।

**संगीत कला विभाग** : शिक्षा जगत में सरकारी व निजी संस्थाओं में नौकरी व सिंगर व अन्य प्रकार की सरकारी, निजी संस्थाओं में नौकरी

**अन्य गतिविधियाँ :**

- राजामंडी रेलवे स्टेशन वाल पेंटिंग 2019 कैंट रेलवे स्टेशन सौन्दर्यीकरण 2018
- महात्मा गाँधी रोड आगरा वाल पेंटिंग 2017 नदवई रेलवे स्टेशन वाल पेंटिंग 2019
- एयर पोर्ट वाल पेंटिंग 2019
- ललित कला चित्रकला प्रदर्शनी 2022

## पं. दीन दयाल उपाध्याय ग्राम्य विकास संस्थान

The Pt. DEEN DAYAL UPADHYAY INSTITUTE OF RURAL DEVELOPMENT was established in the year 1999 for promoting teaching and research in rural development and other related disciplines.

**VISION AND MISSION**

- The institute is based on the thinking of Pandit Deendayal Upadhyay relevant to the contemporary issues and challenges
- Mission of the institute is the promote and enhance the work related to the rural development of the country aims and objectives.

**AIMS AND OBJECTIVES**

- To promote research on the life and works of legendary social work and ideology and great visionary Pandit Deendayal Upadhyay.
- To impact professional training and skill to the students in the field of human resource management disaster management and rural development
- Published suitable material printing to research in the area of disaster management

**COURSES RUNNING IN THE INSTITUTE**

- Master Human Resource Management (MHRM) Sanctioned Seats:60
- Post Graduate Diploma in Disaster Management (PGDDM) Sanctioned Seats:30

- Post Graduate Diploma in Cooperate Social Responsibility (PGDCSR) Sanctioned Seats:30
- Master in Arts (Public Administration) Sanctioned Seats:30
- Master in Arts (Disaster Management) Sanctioned Seats:30
- Master in Arts (Rural Development) Sanctioned Seats:30
- B.Voc. (Retail Management) Sanctioned Seats:30

**ACTIVITIES ORGANIZED BY INSTITUTE**

1. In this year, following activities have conducted so far:-

   On 25th September, 2021 our institute celebrate birth anniversary of Pt. Deen Dayal Upadhyay at Paliwal Park Campus, Dr. B.R. Ambedkar University, Agra. Dr. Surjit Singh, BSM College, Roorkee, Uttrakhand as a key note speaker.

2. On 7th March 2021 University organized a discussion on "Defence policy and Politics" Dr. Uday Pratap Singh Associate Professor department of defense studies, P.C. Bagla College, Hathras delivered the keynote speaker. Prof. Pradeep Shreedhar presided over the discussion. Dr. Manoj Kumar Singh acted as the convener of the discussion.

3. Development and Standerdization Of Curriculum On Disaster Management for PG.Diploma/Certificate Course. Representing Dr. BR. Ambedkar University Agra organised by National Institute of Disaster management , Ministry of Home affairs, Government of India

**FACULTIES**

- Dr. Manoj Kumar Singh (Head of Department) - M.A., Ph.D.
- Dr. Abha Singh (Assistant Professor) - M.A., Ph.D.
- Dr. Ayush Mangal (Assistant Professor) - M.Sc., Ph.D.
- Dr. Varsha Goyal (Guest - Assistant Professor) - M.S.W., Ph.D.

**ALUMINI**

- Mr. Abhiskh Yadav - AGM (HR/Admn.) C.P. Milk & Food Products Pvt. Ltd., Lucknow
- Alok Bhardwaj - Asst. Manager HR, Sienens Pvt. Ltd., New Delhi
- Mr. Anjan Bordoloi - Running an NGO at Guwahati, Assam
- Dr. Arun Kumar Singh Badhaoria - Asst. Professor, Amity University, Noida U.P.
- Dr. Dharmveer Singh - Sr. Scientist, Orissa University of Agriculture& Tech.

## शारीरिक शिक्षा संस्थान

शारीरिक शिक्षा एवं खेलकूद विभाग की स्थापना सन् 1969 में हुई थी। यह विभाग अत्यंत महत्वपूर्ण खेल क्रियाओं में शारीरिक शिक्षा के लिए समर्पित, अनुभवी शिक्षकों के माध्यम से अत्यंत उच्च गुणवत्ता युक्त शिक्षण एवं प्रशिक्षण प्रदान करता है। शारीरिक शिक्षा के माध्यम से शारीरिक शिक्षा के छात्र– छात्राऐं जिला, राज्य, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ प्राप्त कर रहे हैं। साथ ही अनेक शैक्षिक संस्थानों और प्रशिक्षण केन्द्रों पर सफ़लतापूर्वक शिक्षण एवं प्रशिक्षण कार्य संचालित कर रहे हैं। अपनी योग शिक्षा के द्वारा शारीरिक शिक्षा विभाग आत्म अनुशासन एवं जीवन के योग क्रम को प्रोत्साहित कर रहा है।

**विगत वर्षों में विभाग द्वारा आयोजित महत्वपूर्ण गतिविधियाँ :**

**विभाग में चलने वाले पाठ्यक्रमों के नाम**

- बी0पी0ई0एस0 (त्रिवर्षीय एवं 6 सेमेस्टर पाठ्यक्रम)
- बी0पी0एड0 (द्विवर्षीय एवं 4 सेमेस्टर पाठ्यक्रम)

**विभाग में कार्यरत शिक्षकों के नाम, योग्यता का विवरण :**

- डॉ अखिलेश चन्द्र सक्सैना, विभागाध्यक्ष, एम0ए0,एम0पी0एड0,पी0एच0डी0 (राज्य स्तर खिलाड़ी)
- डॉ मदन मोहन शर्मा, एम0ए0,एम0पी0एड0,पी0एच0डी0
- डॉ भूपेन्द्र सिंह, एम०एस०सी०,एम०पी०एड०,पी०एच०डी०

**पूर्व छात्रों का विवरण :**

- डॉ जितेन्द्र पाल, सह आचार्य, एम0एम0एच0पी0जी0कॉलेज,गाजियाबाद।
- डॉ श्याम नरायन सिंह, सह आचार्य, एस0डी0पी0जी0कॉलेज,मुज्जफ़रनगर।
- डॉ मिराज्जुदिन फ़रीदी, सह आचार्य, ए०एम०यू०, अलीगढ़।
- श्री ऋषि कुमार जैन, योग प्रशिक्षक, डॉ भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय आगरा।

**विभाग में अध्ययनरत छात्रों के लिए रोजगार की संभावनाएँ:**

विभाग में अध्यनरत छात्रों को अधिकांश सरकारी एवं गैर–सरकारी शिक्षण संस्थानों में रोजगार प्राप्त हो रहा है।

## जीवन विज्ञान संस्थान (स्कूल ऑफ लाइफ साइंस)

### Department of Zoology

Department of Zoology is academically sound to motivate excellence at all levels of teaching and research. Department encourages the students for good research in upcoming areas of Life Sciences.

| **Course** | **M.Sc. ZOOLOGY** |
|---|---|
| Students qualified CSIR-NET | : 02 |
| Publications | : 08 Research Paper are published in National and International Journals. |
| Conferences attended/ Paper presented/ abstract published | : 10 |
| M.Phil. Awarded | : 06 |

| | | |
|---|---|---|
| Students selected as Assistant Professor through Government Degree College (UPPSC) in Various Colleges and UPHESC | : | 04<br>13 |
| Online International Webinar | : | 01 "Webinar on trends in Microbiology with relation to Covid-19 |
| Name of faculty member | : | Prof. P. K. Singh |
| Total nos. of students in M. Sc. | : | 42 |
| Total nos. of students in Ph.D. | : | 08 |

## Department of Botany

**Year of Establishment: 1990**

- With Ph.D. and M. Phil. Course
- M.Sc. Classes started in 1997

**Our Legacy**

- Late Prof. S. V. S. Chauhan, Founder Head (Reproductive Biology)
- Prof. Rajendra Sharma, Former Head (Plant Pathology)

**Vision**

- To create an academically sound environment that nurtures, motivates and inspires excellence in research and teaching in plant sciences
- To serve the students of underdeveloped societies by providing them the exposure of various flora types of Indian vegetation through excursion
- To prepare good human being to serve the wider arena of the society

**COURSE IN DEPARTMENT (LAST FIVE YEAR)**

| Courses | Seats | Duration | Admission |
|---|---|---|---|
| Ph. D. | 6 | Maximum (4 Yrs) | Through Entrance Test |
| M. Sc. | 20 | 2 Yrs | Through Entrance Test/merit basis |

**Faculty :**

- Dr. Rajneesh Kumar Agnihotri, Associate Professor & Head, Ph. D. Botany
- Dr. Chaitanya Kumar Dixit, Subject Expert, Ph. D. Botany

**DEPARTMENT ALUMNI**

- Ranjana Soni, Cimap, Lucknow
- Mamtesh Kumari, IIT Roorkee
- Dinesh Kumar Gautam, Mathura
- Gauri Shankar, Baba Shaheb Ambedkar University, Lucknow
- Preeti Kumari, Mathura

## Department of Biotechnology

Department of Biotechnology, came into existence in July 1997 under the School of Life Sciences, Dr. B. R. Ambedkar University, Agra. The two year M.Sc. programme in Biotechnology is based on the CBCS system with objective to produce manpower in the applied areas. Biotechnology is a multi-disciplinary course and various program have been developed to meet the growing demand for trained manpower to carry out meaningful biotechnology activity in the country. The programme is designed to expose the students to recent exciting developments in the area of Biotechnology/ Bioscience/ Microbiology/ Bioinformatics and their application in industry, agriculture and medicine. Regular up-dation of the course curriculum to cater to the needs of academia and industry. Initiate multi-disciplinary programs through academia-industry interface with special emphasis on implementation of bioprocess design and scale-up. Emphasis on recent trends in BIOTECHNOLOGY through organization of conferences, symposia, workshops. To impact theoretical and practical training in advance areas of Biotechnology and contribute new knowledge through projects which encourages creativity and a passion for Science in Students.

### विभाग में चलने वाले पाठ्यक्रमों के नाम

M.Sc. Biotechnology

### विगत वर्षों में विभाग द्वारा आयोजित महत्वपूर्ण संगोष्ठी / कार्यशालायें

The Department organized a two-day International webinar (May 18-19, 2020) on "Role of Microbiology and Biotechnology in the times of COVID-19 pandemic" This webinar saw over 2000 experts and participants from across the globe. Dr. V. M. Katoch Former Secretary, Department of Health and Research, Ministry of Health and Welfare, Government of India and DG ICMR was the Guest of Honour.

### विभाग में कार्यरत शिक्षकों के नाम, योग्यता का विवरण

- **Dr. Monika Asthana, PhD**
- **Dr. Avnish Kumar, NET-JRF, PhD**

**विभाग में अध्ययनरत छात्रों के लिए रोजगार की संभावनाएँ:**

Scientists in various Research Institutes, Assistant Professors/Associate/Professor in Universities, Lecturer in PGT, Food Industry as microbiologist and Quality Control Specialist, Demonstrator and Product specialist in Various National and International Biotech Companies (Manufacturer), Research Scientist in R&D Department of various Pharma Companies, Environmental Biotechnologist, Fermentation , Microbiology, Agriculture, Dairy, Pathologies, in-vitro stem cell preservation, IVF labs, etc.

**पूर्व छात्रों का विवरण :**

| S. No. | Name of Student | Position and Name of Organization |
|---|---|---|
| 1 | Dr. Ajayvir Singh | Scientist D, NJILOMD, Tajganj Agra |
| 2 | Dr. Gaurav Pratap Singh Jadon | Senior Scientist , NIB Noida |
| 3 | Dr. Hirawati | Scientist E, ICMR- RRL, NIV Gorakhpur |
| 4 | Dr. Shailendra Verma | Scientist D ,DRDO Gwalior |
| 5 | Dr. Itu Singh | Scientist, TLM Shahdra Delhi |

## Department of Biochemistry

The Department of Biochemistry was established in 1997. It is approved by Higher Education, Government of Uttar Pradesh. The Department is running M.Sc. Course for which the syllabus is based on CBCS as per UGC guidelines. The syllabus has revised on 28 December 2020.

**Objectives:**

- The "Department of Biochemistry" envisions an ambience of excellence, inspiring value-based education, research and development.
- To develop the facilities for the knowledge enhancement for the students, so they can serve better for the society and nation
- To nurture and sustain academic excellence, programmed to promote innovation, scholarship and abilities to analyze, experiment and synthesize
- To create effective interface with research institutes of regional/national repute and industry through training programme.

M.Sc programme is designed to trained and expose the students for the cutting edge developments in the area of Biochemistry/Biomedical Engineering/ Biotechnology/ Pharmacological Science/ Forensic Science/ Nutrition / Microbiology /Bioinformatics/ Nanotechnology /Nutraceuticals because these are the part of Biochemistry syllabus and their applications in industry, agriculture and medicine

**Name of the Course which is run by the Department:** M.Sc. Biochemistry

**Last few years organized important seminar/ workshops/ Invited Talks/ Participated :**

- "A Biofuel- Alternative to Fossil Fuel". Afreen, Renu Yadav, Nidhi Arela and Udita Tiwari National Conference on Environment and Biodiversity: Challenges and Strategies in 21st Century (EBCS-2020)

- Supported by- UGC, New Delhi Organized by- Department of Zoology, Agra College, Agra 02nd - 03rd Mar 2020
- Faculties of Life Sciences organized International Online Webinar during COVID-19 pandemic outbreak - Role of Microbiology and Biotechnology in the times of COVID-19 18-19 May 2020.
- "Treatment of Wastewater Containing Heavy Metals by Microbial Fuel Cell". Gunjan Baghel, Lokesh Kumar, Renu Yadav, Nidhi Arela and Udita Tiwari. 3 Days National

Conference on Multidisciplinary Research and Practice Theme: Advances in Tool and Technologies Including ICT for Sustainable Management of Agriculture, History, Arts, Sports, Health & Economy. Supported by: Department of Sports, DBRAU, Agra. Organized by: Koshambi Foundation, India 12th - 14th Nov 2021

**Name of the teachers working in the Department with their qualification/list of the awards-university level/state level :**

- Dr. Udita Tiwari Qualifications- M.Sc. (Biochemistry), PhD (Biochemistry)

**Alumni Details :**

| S.No | STUDENT | BATCH YEAR | JOB PROFILE |
|---|---|---|---|
| 1 | Dr Iti Garg | 1999 -2001 | Scientist E, DIPAS DRDO New Delhi |
| 2 | Dr Richa Rathor | 1999-2001 | Scientist E, DIPAS DRDO New Delhi |
| 3 | Dr Gouri Mishra | 2000 -2002 | Scientist National Institue of Biological Sciences ,Noida<br>Ph.D – CDRI Lucknow<br>Post doc Chul Research Centre, Quebec, Canada . |
| 4 | Dr Manish Pandey | 2000 -2002 | Scientist E, Environmental Biotechnology section,<br>Department of Atomic Energy, Bhabha Atomic Research Centre, Govt. of India, Mumbai |

**Possibilities of placement of students studying in the Department :**

- Vaccine research, Hormone production, Virology or immunology & Food Science jobs
- Plant science jobs or zoology jobs in areas from Marine biology to entomology
- They could be placed in industries, hospitals, forestry, agriculture, dietetics, Research institute, Education and associated areas
- They may work in pharma-ceuticals, food, brewing bio-technology and agrochemical companies not just to synthesise new products but also the monitor the production Quality control and safety of existing ones.

4 आगरा Focus

# आगरा यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ लाइफ साइंसेज में हुआ 'नेक्स्ट जनरेशन सिक्वेंसिंग' पर सेमीनार का आयोजन

## Department of Microbiology

Department of Microbiology was established in the year 1998 offers postgraduate and doctoral degrees with an objective to generate competent man power in the diverse field of Microbiology. M.Sc. programme was started with an intake of 15 students, however looking at the demand for trained microbiologists the seats were increased to 20 now 25. The ordinance and syllabi for M.Sc. Classes were formed with the help of some well known microbiologists of the country and the department has adopted CBCS system in 2017

In M.Sc Microbiology programme students are acquainted with different fields of microbiology like agriculture, medical, immunology, molecular biology, biotechnology, food and dairy, biochemistry, environmental etc.

The Department is working on the vision

- To Educat & train the students to have in-depth knowledge of the subject
- To Make students confident for R & D activities and can be placed in multinational and national Institutes and companies
- Course Offered by the Department: M.Sc. Microbiology

**Seminar/Conference/workshop organized by the department in last few years :**

Department Organized A Two days International Webinar on "Role of Microbiology and Biotechnology in the times of Covid 19 pandemic" on 18th and 19th of May 2020. About 2000 people got registered for the webinar and it was attended by participants Online. This webinar witnessed 9 online lectures by experts from across the globe. Guest of Honour of the event was Dr. V.M. Katoch Former Secretary, Department of Health and Research, Ministry of Health and Welfare, Government of India and DG ICMR.

**Name and qualifications of the teachers in the department :**

1. Dr. Surabhi Mahajan Lecturer (Contract) Ph.D.
2. Dr. Ankur Gupta Lecturer (Contract) Ph.D., NET-JRF

**List of Alumni :**

| Designation and Organization ; | Student name |
|---|---|
| Scientist D, DRDO, Delhi | Dr. Nadeem Khan |
| Scientist C NJIL & OMD | Dr. Bhawana Sharma |
| Consultant Microbiologist, NJIL & OMD | Dr. Praveen Pachouri |
| Microbiologist, Pollution Control Board, UP | Dr. Vishwanath Sharma |
| Consultant Microbiologist, State Tuberculosis Control Board, S. N. Medical College, Agra | Dr. Hari Shankar |

**Employment :**

1. Scientists/microbiologists/ consultant microbiologist/ biologists at various National as well as international Institutes
2. As Assistant Professors/ Associate Professors / Professors at Various Universities
3. As microbiologist/quality controller at various pharmaceutical companies/dairy/textiles/Agro companies.
4. Lab technician/ technical Assistant at Medical Colleges, Hospitals and Diagnostic Laboratories
5. As PGT/TGT etc.

## Department of Environmental Studies

Department of Environmental Studies was established in 1998 with the objectives :

- To Promote Environmental Education
- To Prepare Specialized Human Resources
- Generate Environmental Awareness

The Department is supported by UGC (IXth, Xth and XIth plan grant) and has been approved by the State Government and VISION of the Department is "To Create and Maintain Excellence in Environmental Science and contribute knowledge and effort in bringing up rich posterity".

Student feedback on teaching, individual efforts towards organizing seminars, arranging for special lectures enriching the syllabus with current topics and dissemination of information of faculty development are the healthy practices of the Department.

**Courses Offered:**

a) Two years (4 Semester) post- graduate degree (M.Sc.) in Environmental Science with CBCS System.

b) Ph.D. Environmental Science

**Organized Conference and Plantation Drive :**

Department of Environmental Studies in collaboration with other department of Faculty of Life Sciences organized Two days International Webinar on "Role of Microbiology and Biotechnology in times of COVID 19 pandemic" on 18th and 19th May 2020. This webinar witnessed number of online lectures by experts from across the globe and thousands of participants also registered for the same.

Every year on the occasion of World Environment Day (5th June) plantation drive was organized by the department which was inaugurated by Honourable Vice Chancellor of the University, other officers and faculty members also participated in this drive by planting trees in Khandari campus of university. An awareness program regarding the conservation of environment was also conducted by the students of the department.

**Faculty Members :**

1. Professor Bhupendra Swarup Sharma - M.Sc. and Ph.D.
2. Dr. Nibha Jadon - M.Sc. and Ph.D.

**Alumni :**

1. Dr. Kiriti Abhishek - Associate Professor, BITS, MESRA Ranchi, 2. Dr. Dharampal Singh - Assistant Professor, Banasthali Vidhyapeth, Tonk, Rajasthan, 3. Mr. Somveer Singh - Senior Manager, Environment Sanghi Industries Ltd., Kutch, Gujrat, 4. Mr. Ajay Sharma - Assistant Director, NABL, Gurugram, 5. Mr. Akshya Chauhan - Deputy Manager-Corporate Sustainability Team, Dalmia Cement Bharat Ltd., Delhi

**Career Opportunities of Students**

Environmental Science is a plethora of job opportunity after holding a degree in this filed one can get the variety of careers to choose from, as environmental scientists; they are employed by government and private organization and many other industries such as mines, fertilizer plants, cement industry, petroleum sector, refineries, textile and dying industry, food processing units, distilleries etc. One can also opt to teaching job in College and Universities. In this sector you can be employed by various organizations such as Central and State Pollution Control Board, NEERI, ZSI, WWF, FRI, Water Authority, Urban Planning. They can also start their own environmental consultancy.

## Department of Forestry

The Department was established in 1998 to give professional degree in forestry with a aim to provide education to able students in the range of Dr. B.R. Ambedkar University, Agra.

It is dedicated for promoting excellence in education and research in Forestry and allied subjects, to cater the need for trained forestry man power in the country. The syllabi include study of all segments of forestry, wildlife and all natural sciences with a view to provide the students with innovative knowledge and skills. The Department organizes lectures by eminent persons besides workshops, seminars, symposium, and conferences in the field of forestry. Excursions to premier institutes of forestry, plantation areas, natural forest, forest nurseries and forest based industries are the regular features of the curriculum to understand the subject in a better way. The Department is actively engaged in research and extension programmes through a number of research/ developmental projects corporated by State Forest Department, forest based industries, research institutions and NGOs for the attachment of students to provide better exposure of the practical/ field operations in forestry and also to facilitate the new vistas for training and placement of students. The alumni of this Department have joined Indian Forest Services, State Forest Services, and Scientists in ICFRE institutions, Faculty in Universities and professionals in esteemed NGOs.

The Department is running one academic programmes: M.Sc. Forestry(4 semesters/ 2years). The core objective of these programmes is to provide a bigger catchment and platform for natural/life sciences and agriculture sciences students to choose a professional degree in forestry.

**Our Objectives:**

- Provide for research and advancement and dissemination of knowledge in the field of forestry and environment.
- Create consciousness about forest and environment among people through forestry extension programmes.
- Carry out such other activities as may be necessary and desirable to further the safeguarding of environment and protection of forests and wildlife.
- Furthering the prosecution of research in agriculture and allied sciences.

**Departmental Activities:**

Joint tour of central agriculture university & dr. B. R. Ambedkar university at soor sarovar bird sanctuary, agra

**Faculties :** Dr. P. K. Varshney, M.Sc., NET (ICAR), Ph.D.

**Courses :** M. Sc. In Forestry(only one course)

**List of our Alumni of Department of Forestry in last years :**

| NAME OF ALUMNI | DEPARTMENT | DESIGNATION | COMPANY/DEPTT. ADDRESS |
|---|---|---|---|
| JALAJ SAXENA | MINISTRY OF ENV. &FOREST | PROJECT ADVISOR | MOEF, DELHI |
| DR. BRAJESH KUMAR | AGRICULTURE | ASST. PROF. | A K COLLEGE, SHIKOHABAD, ETAH |
| DR. SONUM RAJPUT | FORESTRY | ASST. PROF. | MEWAR UNIVERSITY, CHITTAUR, RAJ. |

# कम्प्यूटर विज्ञान विभाग

In 1989, PGDCA course was started in Department of Statistic & Computer Application, Later on 1994, MCA Course was introduced in Department of Mathematics & Computer Science, after that in 1997, M.Sc. (Computer Science) was introduced in Department of Statistics & Computer Application.In 2004, A New Institute was constituted named Institute of Computer & Information Science (ICIS) with all the above courses and B.Sc. (IS), M.Sc. (IT) and MCM. Keeping in mind, the better utilization of the resources academically, administratively and financially, University constituted a restructuring Committee for the Department. The Committee had recommended the courses which are in similar nature should be run under one Umbrella. In this spirit The Executive Council had attached the Department of Computer Science with Institute of Engineering & Technology in the year 2011.

**विभाग में चलने वाले पाठ्यक्रमों के नाम :**

- **MCA** • **M.Sc (CS)** • **PGDCA** • **Ph.D (Computer Science)**

**विगत वर्षों में विभाग द्वारा आयोजित महत्वपूर्ण संगोष्ठी / कार्यशालायें :**

FDP organized on Advancement in Computer Science from 27/05/2019 to 31/05/2019.

**विभाग में कार्यरत शिक्षकों के नाम, योग्यता का विवरण :**

- Prof. Manoj Upadhyay. Professor & Head, Ph.D
- Prof. V.K. Saraswat, Professor, Ph.D
- Prof. Manu Pratap Singh, Professor, Ph.D
- Dr. S.K. Jain, Associate Professor, Ph.D
- Dr. Raj Kumar, Contract Teacher, Ph.D
- Dr. Amit Singhal, Contract Teacher, Ph.D
- Dr. Sadhna Golash, Guest Faculty, Ph.D
- Er. Sumit Pathak, Guest Faculty, MCA/ M.Tech.
- Mrs. Pratibha Rashmi, Guest Faculty, MCA / NET

पूर्व छात्रों का विवरण :

- Ravindra Kumar, Dallas, USA
- Sanjay Kumar Chaurasia, New Jersey, USA
- Nand Kumar Mishra, Agra
- Sanjiv Sharma, Toronto, Canada
- Dharmendra Singh, Agra

**The following Courses are running in the Department :**

1. MCA 2. M.Sc. (CS) 3. PGDCA

All above the above courses are highly technical. Most of the students are getting jobs in the different software companies. Our curriculum has been made in such a way that it consist courses of all modern technologies which is required in the present scenario of the software industries around the India as well as World.

**Patent Information**

1. Patent Title "IOT BASED HEALTH MONITORING SYSTEM FOR COVID-19 PATIENT".
2. Patent Title "Cloud Supported & Machine Learning Driven Efficient IOT Based Watering System for Home Based Plants"

**Research Project**

**On going major Research Project**

- Project Title "Study and implementation of Machine Learning Techniques for pattern recognition of biometrics and IRIS features".

**Completed major Research Project**

- Project Title " Study of Quantum Neural Networks (QNN) for Pattern Recognition"

## इतिहास एवं संस्कृति विभाग

The Department of History & Culture was established in 1985 with the renowned historian Prof. Pratima Asthana as its founder Professor & Head as a high class research oriented Department with modern infrastructure and library. At the outset only Ph.D. and M.Phil. programmes were run but later M.A. (History) and a job- oriented course PG Diploma in Tourism and Hotel Management were opened. This Diploma course has later flowered into a full-fledged institute.

**Courses:**

M.A.(History)
M.Phil. (Discontinued)
PG Diploma in Archival Studies and Museology(Discontinued)
Curriculum was revised in 2017 and CBCS system was adopted.

**Seats:** M.A. History - 30

**Faculty:**

1. Professor SugamAnand, 2. Professor HemaPathak,
3. Professor Anil Kumar Verma, 4. Dr. B.D. Shukla, Associate Professor, Ph.D.

**Research Project:**

One Minor Project of Rs 3.00 lacs granted by Indian Council of Historical Research, New Delhi to Prof. Sugam Anand Ph.D., D.Lit. Ph.D. Ph.D.

**Departmental Publications:**

1. Proceedings of the National Seminar on Subhas Chandra Bose : Life, Work and Legacy, 2020
2. The Department also has its own Journal of History & Culture.

**Seminars/Conferences:**

1. Organized 03 Days National Conference on Multidisciplinary Research & Practice by Koshambi Foundation and Dr. B.D. Shukla, 12-14 November, 2021
2. Organized Digital Pustakalaykalabh: EkParisamvad under NEP 2020 on 22.01.2021 by Prof. Sugam Anand and Prof. V.K. Saraswat
3. Celebrated Reading Week with a one day online programme on Dimensions of Nationalism as reflected in History and Literature on 21.06.2020
4. Celebrated International Archives Day in collaboration with Regional Archives, Department of Culture, Government of U.P. online on 09.06.2020 .

## पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग

**History of the Department**

* 1984. Established with the Course of Bachelor of Library Science & Manuscriptology.
* 1996 Master of Library & Information Science Introduced.
* 1999 Ph.D. in Library & Information Science Introduced.

Prof. Mohd. Sabir Hussain, Prof. S.M. Tripathi, Dr. B.K. Sharma, Prof. M. T. M. Khan and Prof. Pandey Sharma S. K. previously associated with the Department.

Now the Department is under Leadership of Prof. U.C. Sharma

**Purpose**

To Produce such Library Professionals who can manage the libraries in traditional librarianship and can provide effective library services.

To trained and produced such Information Scientists who can handle the application of information technology applicable in libraries in digital environment.

**Curricular Aspects Courses :**

BLIS 02 Semester (CBCS) 2017-2018;

MLIS 02 Semester (CBCS) 2017-2018;

Last Revision held 2021.

**Departmental Activities**

- National Seminar on Challenges of Academic Libraries in Digital Era has been organized April, 2017.
- Book Fair has been organized jointly with Central Library at Paliwal Park Campus in 2021 and 2022. In which more than 40 Publishers has been participated and deeply appreciated by the public of Agra.
- Every year on 12th August Department celebrate Librarians Day on the Birth Day of father of Library Science - Dr. S.R. Ranganathan.
- Webinar on Status and Reform on LIS Education in India has been Organized in May, 2020.

**Alumni**

- Prof. R.C. Gour, University Librarian, (JNU), Know IGNCA, New Delhi;
- Prof. R.K. Bhatt, Professor, Delhi University, Delhi;
- Dr. Ranjit Kumar Das, Deputy Librarian, IIT, Bombay;
- Dr. T.N. Dubey, Rt. University Librarian, UPRTOU, Allahabad;
- Prof. Madhusudan Karki, Tribhuvan University, Nepal;
- Dr. Patha De, Librarian, Indian Institute of Mines, Dhanbad;
- Dr. Bharti Paliwal, Librarian, TERI, New Delhi;

## विश्वविद्यालय कम्प्यूटर केन्द्र

**About University Computer Centre**

The University Computer Centre (UCC) was established at Khandari Campus in 1993 by the UGC grant of Rs. 30 lacs. The University Computer Centre is well equipped with devices like printers, scanners and computers of latest configuration.Wi-Fi facility for all students and Staff of UCC.UCC is providing computing facilities to the research scholars of all the Department/Institutes. In 2017, Lab has been upgraded with the computer machine of the latest configuration. Physical infrastructure has also been renovated in same year.

**Courses offered**

- Three Years Degree Course :
  Bachelor of Computer Application(BCA) started from 2019.
- Post Graduate Diploma in InformationTechnology (PGDIT).

**Workshops and FDP organised by UCC**

- University Computer Centre organized one day webinar on "ONLINE EDUCATION: "CHALLENGES AND STRATEGIES DURING PANDEMIC COVID-19" on 29th May 2020.
- Three days Online FDP in association with Spoken Tutorial Project, IIT Bombay, August 2017.
- Recently, UCC organized a seminar for BCA V semester final year students for their major project and placement drive assistance by E Gain Software Education, on 26/02/2022.

**Faculty**

- Prof. Anil Kumar Gupta, Head, Ph.D.
- Rajiv Kapil, System Analyst, M.Tech.
- Dr. Meenakshi Choudhary, Subject Expert, Ph.D.
- Priyanka Tyagi, Subject Expert, M.Tech
- Vijay Bhadouria, Subject Expert, M.C.A.
- Megha Rajpoot, Subject Expert, NET
- Neetu Kabra, Subject Expert, M.Tech
- Dr. Sadhana Singh, Subject Expert, Ph.D.

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग का स्वायत्त संस्थान

**NATIONAL ASSESSMENT AND ACCREDITATION COUNCIL**

*An Autonomous Institution of the University Grants Commission*

# Certificate of Accreditation

*The Executive Committee of the*
*National Assessment and Accreditation Council*
*on the recommendation of the duly appointed*
*Peer Team is pleased to declare the*
*Dr. Bhim Rao Ambedkar University*
*Paliwal Park, Agra, Uttar Pradesh as*
*Accredited*
*with CGPA of 2.79 on seven point scale*
*at B++ grade*
*valid up to May 01, 2022*

*Date : May 02, 2017*

*Director*

EC(SC)/18/A&A/36.2

कार्यभार ग्रहण करने के पश्चात् पं. दीन दयाल उपाध्याय जी की प्रतिमा के समक्ष
श्रद्धा–सुमन अर्पित करते हुए माननीय कुलपति जी